स्वस्तिकगंगा

भजन आरती धून

स्वस्तिक

स्वस्तिक

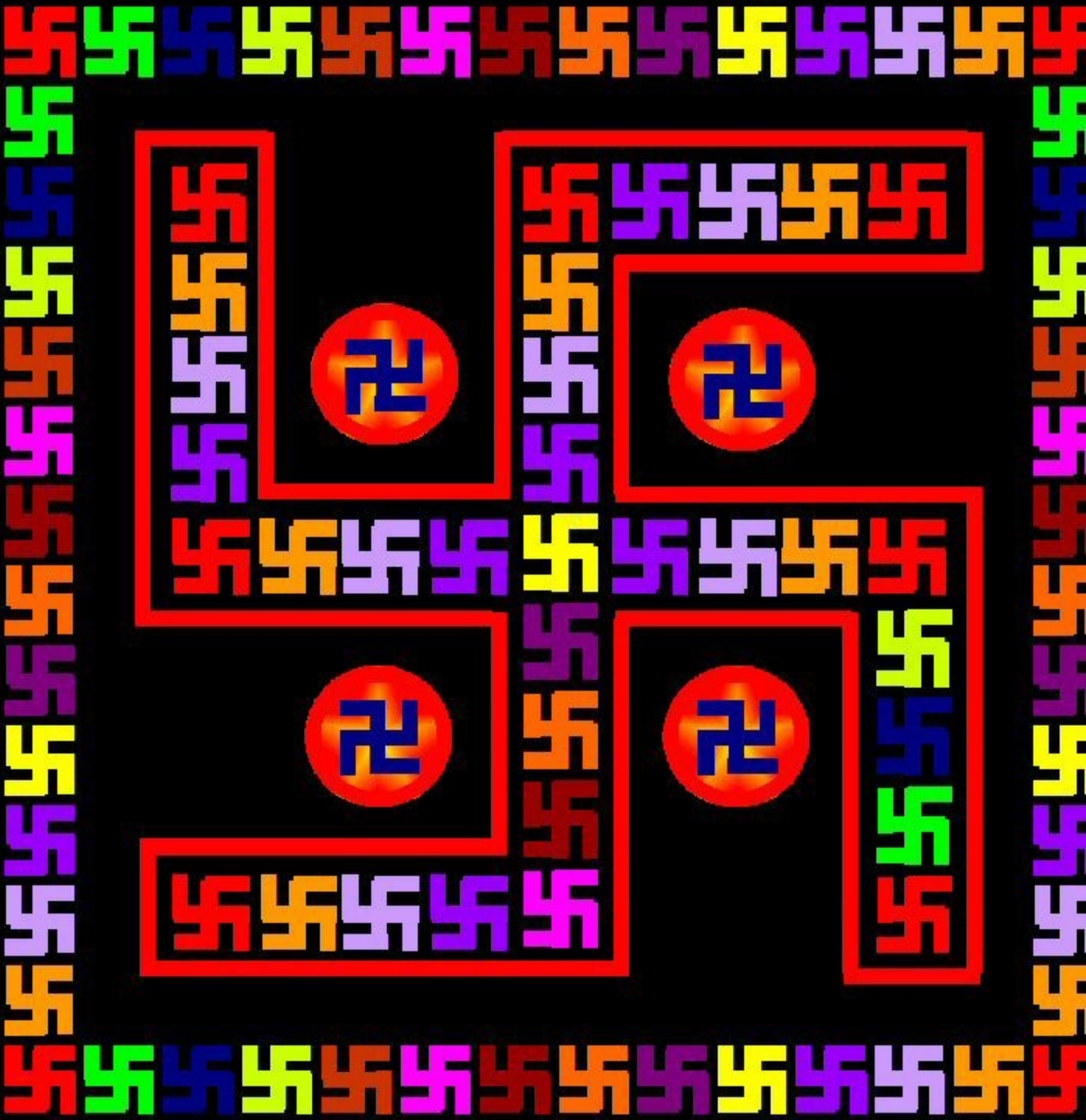
SWASTIKA



हेमंतकुमार गजानन पाध्या

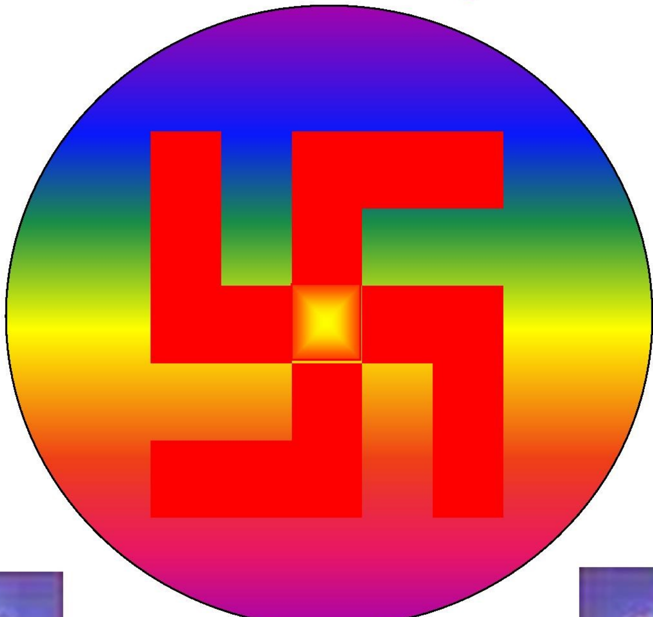
卐 स्वस्तिकानंद 卍

PEACEFUL



Swastika

स्वस्तिकगंगा






गीत, भजन, काव्य और आरती रचना

कवि

श्री हेमंतकुमार गजानन पाध्या

' स्वस्तिकानंद '

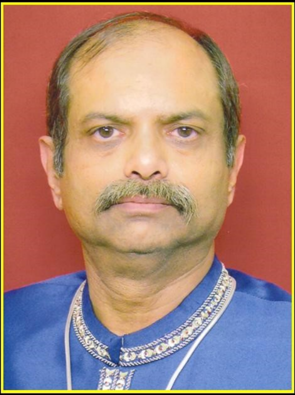


SWASTIKA

POEMS



BY : HEMANTKUMAR GAJANAN PADHYA



ऊषा प्रकाशन



USHA PRAKASHAN
UNITED KINGDOM

sacredswastika@aol.co

प्रथम आवृत्ति

विक्रम संवत २०६९   ई.स.२०१३

पुस्तक प्राप्ति स्थान   :www.pothi.com

EBOOK

SWASTIKA



THE WORLD SYMBOL

समर्पण

हमारी आदरणीय स्वर्गस्थ बहनोंको

स्व. श्रीमति कुसुमबेन चंद्रकांत भट्ट

और

स्व. श्रीमति कैलाशबेन दिलीपकुमार पाठक

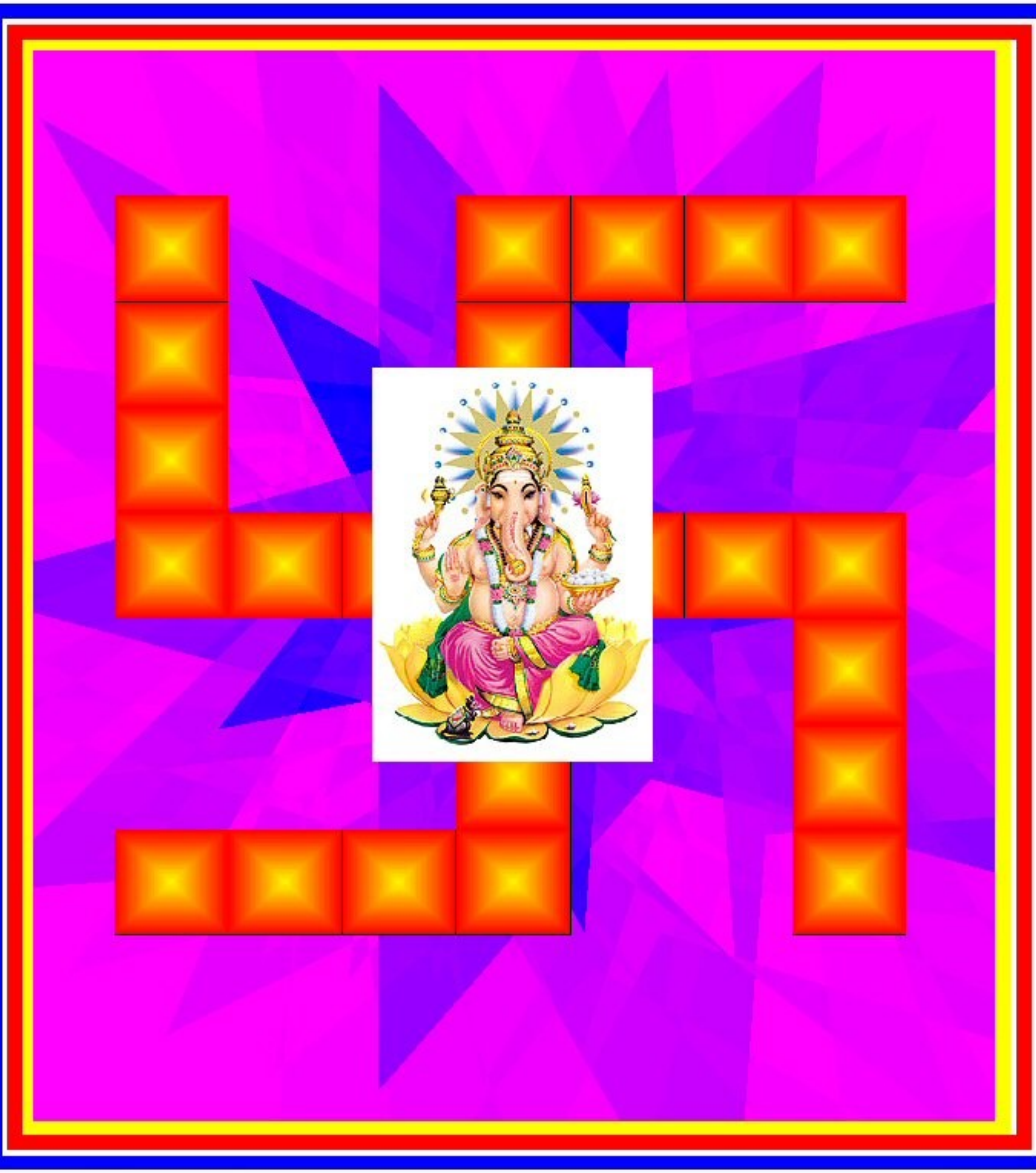


स्व. श्रीमति कुसुमबेन चं. भट्ट



स्व. श्रीमति कैलाशबेन दि. पाठक

Om Shri Swastikaya Namah !



Om Shri Ganeshaya Namah !

प्रस्तावना

स्वस्तिक प्रतिक अत्यंत प्राचिन प्रतिक हैं जीसका उदभव आर्य संस्क्रुति और आर्य धर्मसे माना जाता हैं । स्वस्तिकको प्रतिकोंका विश्वगुरु माना जाता हैं क्युंकी मानव उत्पत्तिका ये सर्व प्रथम चिन्ह हैं । हजारों वर्षोंसे स्वस्तिका प्रतिक ही एक ऐसा प्रतिक हैं जो विश्वव्यापी और विश्वमें सर्वमान्य हैं । स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग विश्वके सारे खंडोमे पाया गया हैं । मानव जातीके ये सर्वप्रथम प्रतिकका उपयोग पुरातन युगोंसे ही हर संस्क्रूति, सभ्यता और धर्मोंमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूपसे होता आया हैं । स्वस्तिक विश्वकी हर मानवजातीका अत्यंत प्राण प्रिय प्रतिक है क्युंकी स्वस्तिक चिन्हको पुरातन कालसे ही एक आध्यात्मिक, शुभकारी, लाभकारी पुण्यकारी और मौक्षदायी प्रतिकके रूपमें आदरणीय, सन्माननीय और पूजनीय माना गया हैं । स्वस्तिकको पश्चिमी देशोमें प्रेम, प्रकाश, जीवन और सौभाग्यका चिन्ह भी माना जाता हैं । विश्वकी सर्वप्रथम मानव संस्क्रुति आर्यसंस्कृति और आर्यधर्म या सनातनधर्मसे लेकर मायन, यहुदी, एझटेक, इन्का, पेगन, ताओ, शींतो, क्रिश्चियन, इस्लाम जैसे अन्य धर्मों और विविध संस्कृतिओंने स्वस्तिक प्रतिकका प्रयोग धार्मिक चिन्ह, शुभकामना चिन्ह, लाभकारक चिन्ह, रक्षाप्रतिक या तो कलात्मक चिन्हके रूपमें स्विकारा हैं । आज भी विश्वके अधिकांश लोग स्वस्तिक प्रतिकको धार्मिक,आध्यात्मिक, शुभ, मंगल एवं लाभ और कल्याणका प्रतिक मानते हैं और उनका आदर और सन्मानसे उसे ग्रहण करते हैं और ऊसकी पूजा और साधना करते हैं । आर्यधर्मेकी शाखाएं जैसे हिंदु, शिख, जैन, बौध और झोरोस्ट्रीयन और पूर्वके अन्य ताओ, शीन्तो जैसे धर्मोंमें स्वस्तिक प्रतिकको ईश्वरका प्रतिक माना गया हैं ईसीलीए उसे पूजनीयका स्थान प्रदान किया गया हैं । हिंदु धर्ममें स्वस्तिकको श्री गणेश का और शक्तिका स्वरुप माना गया हैं और उसे सर्व संस्कारों और पूजाके विधानोंमे श्री गणेशजीकी तरह सर्व प्रथम स्थान दीया गया हैं ।

सुख शांति, सौभाग्य और सम्रुद्धि प्रदान करनेवाले ये दैवी और चमत्कारीक प्रतिककी भक्ति और साधनाकी गंगाधारातो प्राचिनकालसे अविरत बह रही हैं मगर स्वस्तिकके गुणगानके भजन और गीत अलभ्य होनेसे एक आध्यात्मिक अनुभूति उदभवित होने पर मैने विश्वकी सर्वप्रथम भजन रचना '' स्वस्तिकामृत'' प्रकाशीत की थी और अब ये मेरी दुसरी भजन, आरती गीत, धून ईत्यादीकी रचना ''स्वस्तिकगंगा'' प्रकाशीत करनेके अवसर प्राप्त हुआ ईसीलीये मैं अने आपको धन्य और अहोभाग्य समझता हुं ।

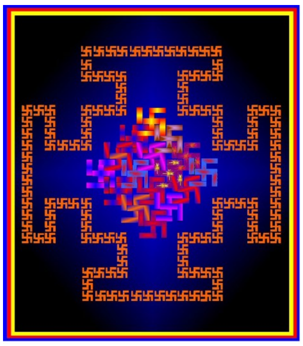
विश्वके पावन पवित्र और कल्याणकारी स्वस्तिक प्रतिकके भक्तिभावको उजागर करने और उसका प्रचार प्रसार करनेके महा आशयसे लीखी हुई ये मेरी नवीन रचना ''स्वस्तिकगंगा'' के प्रकाशनको आप सहर्ष स्विक्रुत करेंगे। मेरी आप भक्तजनोंको नम्र बिनती हई की आप ईस गंगाजलके समान पावन और पवित्र ''स्वस्तिकगंगा''के हर बुंद स्वरूप रचनका आचमन जरूर करें गे और अन्य भक्त जनों कोभी प्रसादके रूपमें अर्पण करेंगे । हर स्वस्तिक प्रेमी भक्तजनोंको मेरी नम्र प्रार्थना हैं की स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग और प्रदर्शन सार्वजनीक भज-किर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रमोंमे अधिक और विशेषरूपसे करें और स्वस्तिक प्रतिकके सर्वोत्तम वैभवपूर्ण स्थान और गरीमाको विश्वमें प्रचा्रित और प्रसारित करनेमें अपना योगदान प्रदान करें | स्वस्तिक प्रतिकके बारेमें दुसरे विश्वयुद्धके पर्यंत पश्चिममें फैलाये गये अयोग्य और बिनाधार तिरस्कार और धुणाका सख्त विरोध और खंडन करके पश्चिमके अबुध और अज्ञानी लोगों को स्वस्तिकके सच्चे दिव्य स्वरूप और महत्ताके बारेंमे उनको प्रशिक्षिण प्रदान करके सारे विश्वमें स्वस्तिककी प्रतिष्ठाको पुनः प्रस्थापित करनेमें आपका योगदान् अर्पण् करें । आभार सह धन्यवाद् ।

जय स्वस्तिकम् । स्वस्तिक प्रतिककी जय हो ।

ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ।

अनंत चतुर्थी, भाद्र, शुक्ल पक्ष चतुर्थदशी,
विक्रम संवत २०६९
ई. सन. २०१३

- हेमंतकुमार गजानन पाध्या
'स्वस्तिक सदन', ईंग्लंड
युनाईटेड किंगडम
SacredSwastika@aol.com



कवि परिचय



श्री हेंमंतकुमार गजानन् पाध्याका जन्म पूर्वेय मुंबई राज्यके थाणे जिल्ले और् हालके गुजरात राज्यके पारसीओंके ऐतिहासीक स्थल संजान बंदरके पास खत्तलवाडा गांवमें हुआ था । सुरतकी पी.टी. सायन्स कालीजमें अभ्यास करके उन्होंने दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालयसे रसायन और भौतिकशास्त्रमें स्नातककी पदवी प्रथम वर्गमें उत्तिर्ण होके प्राप्तकी थी । पश्च्यात उन्होंने हाफकीन ईंस्टीट्युट ओफ रीसर्च एन्ड बायोफार्मास्युटीकल्स, परेल,मुम्बईमें अभ्यास करनेके बाद पोलीमर टेक्नोलोजीकी अनुस्तानतककी पदवी युनिवर्सीटी ओफ आस्टन ईन् बर्मिंगहामसे प्राप्त करने केलीए १९७६में ईंग्लंड आये थे । परदेशमें आगमनके बाद अभ्यासके साथ् साथ उन्होंने आर्य धर्म, संस्कृति, परमपरा और मातृभाषाको जीवंत और ज्वलंत बनानेके अभियानमें अपना अमूल्य योगदान भी प्रदान किया । ईंग्लंडकी कुछ स्थानिक संस्थाओंके संस्थापक् प्रमुख और् अन्य राष्ट्रीय और आंतर राष्ट्रीय संस्थाओंके सदस्यभी हैं । उन्होंने १९९५ में हिंदु स्वातंत्र्यवीर स्मृति संस्थाम् नामकी संशोधन संस्थाकी शरुआतकी और सात दशकसे जिनिवामें पडे हुए गुजरातके सर्वप्रथम क्रांतिकारी स्वातंत्र्यवीर पंडित श्यामजी कृष्णवर्मा और् उनकी पत्नी भानुमतीजीके अस्थीकुंभोको भारत भेजनेके कार्यमें महत्वपूर्ण योगदान प्रादानकीया और् कृष्णवर्मा दंपतीके अंतिम ईच्छा परीपूर्ण करनेमें अपना विशेष योगदान् दीया । पंडित श्यामजीकी स्मृतिमें लंडन स्थित उनके मकानपे अथाग प्रयत्न करके स्म्रुतितक्ति लगवायी और सोबोर्न विश्वविद्यालय, पेरीस और् ओक्षफर्ड विश्वविद्यालय, ओक्षफर्डमें पंडित श्यामजी कृष्णवर्मा रौप्य चंद्रककी स्थापना करवायी जो हर् दो साल संस्कृतके विद्वान को आर्य या वेदीक धर्मके और संस्कृत भाषाके संशोधन और अध्ययनके लीए विशेष पारितोषिकके रुपमें प्रदान् कीया जाता हैं । श्री हेमंतकुमारने पंडित श्यामजीके विषयमें गहन संशोधन और अभ्यास करके श्यामजीकी ईंग्लीशमें चित्रजीवनी ' The Photographic Reminiscance of Pandit Shyamaji Krishnavarma' और गुजराती एवं हिंदीमें 'काव्यांजली' और 'श्रद्धांजली' नामकी पूस्तिकाएं भी लीखके प्रकाशीतकी हैं.

श्री हेमंतकुमारने युवावस्थासे ही लेखन कार्यका शौख और धून थी । वो भजनों, राष्ट्रभक्तिकें गीतों, शौर्य गीतों, आध्यात्मिक गीतों के रचिता कति हैं और धार्मिक, राजनैतिक और सामाजीक निबंधोके भी लेखक हैं । स्वस्तिक प्रतिकके युरोपमें सार्वजनिक उपयोग पर प्रतिबंध लादनेके युरोपीयन पार्लामेन्टके प्रस्तावके विरोधमें प्रकाशित कीया गया उनका अंग्रेजी लेख, '' Hands off our Sacred Swastika' को बहोत प्रशंशा और धन्यवाद प्राप्त हुए थे । लेखन और प्रकाशन कार्यकी श्रृंखलामें 'दर्द', 'सत्यनारायण्की कथा', 'स्वामिविवेकानंद संक्षिप्त जीवन चरित्र'', हिन्दु धर्म', 'स्वस्तिकामृत', 'स्वस्तिकगंगा' 'स्वस्तिकधारा (गुजराती), 'Swastika Poems', 'जय हिन्दुत्वम (म्युझिकल सी .डी.)' ईत्यादीका समावेश होता हैं ।

पंडित श्यामजीकी स्मृति सदा ज्वलंत रखनेकी उनकी महेच्छाके अभियानमें अपने संशोधनों और अभ्यासपे आधारीत और अन्य पुस्तकोंपे अवलंबीत गुजराती भाषामें एक विस्तृत जीवनी प्रकाशित करनेकी योजनाभी आकार ले रही हैं । ईस तरह परदेशमें रहते हुए भी श्री हेंमंतकुमार गजानन पाध्याने अपने धर्म, संस्कृति,साहित्य, राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति जैसे विविध क्षेत्रोंमें अपना अणमोल और प्रशंशनीय योगदान अर्पण किया हैं ।

सदभाग्य, आबादी और शुभेच्छाके प्रतिक स्वस्तिकके सुप्रचार प्रसार और उनके पावन पवित्र, शुभ, मंगल और आध्यात्मिक स्वरूपको पश्चिमके समाजमें न्याय और सन्मान प्राप्त कराके पश्चिमके देशोमें स्वस्तिकके प्रतिकको पुनः प्रस्थापित के अभियानमें श्री हेंमंतकुमार सक्रीय हैं और अन्य संस्थाओंके सतत संपर्कमें रहते हैं ।

विश्वकी सर्वप्रथम स्वस्तिक पर लीखे गीतोंकी पुस्तिका 'स्वस्तिकामृत'के बाद ये द्वितीय पुस्तिका 'स्वस्तिकगंगा' श्री हेंमंतकुमारकी स्वस्तिक प्रतिकके प्रति उनकी श्रद्धा, आस्था और समर्पणताका एक अणामोल उदाहरण हैं । हम अपेक्षा रखते हैं की श्री हेंमंतकुमार गजानन् पाध्याके स्वस्तिक प्रतिककी साधना, आराधना और प्रशंशामें लिखे हुए ये भजन, गीत, आरती, धून ईत्यादिके ये 'स्वस्तिकगंगा' पुस्तकको विश्वकी स्वस्तिक प्रिय श्रद्धालु भारतीय जनता उनका सहर्ष स्वागत करेगी ।





स्वस्तिक वंदना.....

जय जय स्वस्तिक जय गणपति.. शुभम करो मंगलम करो....
जय जय स्वस्तिक जय गणपति.. शुभम करो मंगलम करो....
जय जय स्वस्तिक जय गणपति..
तेरा रक्तवर्ण महातेज हैं.. चतुर्भूजा महामर्म हैं...[२]
हे कृपा करो स्वस्ति देवता.. मुझे वर दे दो..[२]
जय जय स्वस्तिक जय गणपति.. शुभम करो मंगलम करो....
जय जय स्वस्तिक जय गणपति..
[..आलाप...]
श्री देवीके महायंत्र हो..सिद्धिके महामंत्र हो..[३]
पुजे तुम्हें प्रथम देवता.., शुभम करो मंगलम करो....
जय जय स्वस्तिक जय गणपति.. शुभम करो मंगलम करो....
जय जय स्वस्तिक जय गणपति..
तुम भाग्यके महाप्रतिक हो, सौभाग्यके दानवीर हो...[३]
जीस घरमें तेरा वास हो.. उनका सदा कल्याण हो...
जय जय स्वस्तिक जय गणपति.. शुभम करो मंगलम करो....
जय जय स्वस्तिक जय गणपति..
शीवजीका तुम त्रिशुल हो, मां शक्तिका तुम चक्र हो..[३]
बनके कवच रक्षा करो..दया करो अनुकंपा कओ...
जय जय स्वस्तिक जय गणपति.. शुभम करो मंगलम करो....
जय जय स्वस्तिक जय गणपति..
श्री गणेशका तुम प्रतिक हो, शुभलाभका महा चिन्ह हो..
पूजे जो जन स्वस्तिकको, उनका सदा उद्धार हो..
जय जय स्वस्तिक जय गणपति.. शुभम करो मंगलम करो....
जय जय स्वस्तिक जय गणपति
स्वस्तिक तुम्हें प्राणाम हैं..पावन पवित्र ये नाम हैं.. [३]
तुझसे सभी सुख पामते.. कृपा करो करुणा करो...
जय जय स्वस्तिक जय गणपति.. कृपा करो करुणा करो...
शुभम करो मंगलम करो.... [२]
जय जय स्वस्तिक जय गणपति..

ॐ जय स्वस्तिक हरे......

ॐ जय स्वस्तिक हरे......स्वामि जय स्वस्तिक हरे....
भकत जनोंके संकट... आर्य जनोंके संकट.. तत क्षण दूर करे ।
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
मन वांछीत फल पावे..., कष्ट मिटे तनका....स्वामि...,,,,[२]
सुख वौभव घर आवे..... शांति मिले मनकी......
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
मातृ पितृ तुम मेरे..., शरण जाऊं मैं किसकी....स्वामि...[२]
तुम बीन नहि कोई मेरा... अपेक्षा करुं मैं किसकी ?...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
तुम परम परमेश्वर.... तुम हो सर्वव्यापी...स्वामि........[२]
ब्रहमा विष्णु महेश्वर... तुम सबके स्वामि....
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
तुम दयाके महासागर....तुम हो कृपालु प्रभु...स्वामि..[२]
तुम वरके हो दाता.....तुम हो श्रीगणेश देवा...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
तुम हो शुभलाभ प्रतिक..तुम सबके शुभकारी..स्वामि.[२]
तुम मंगलमय दयामय,.. तुम हो शुभ कल्याणी...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
मैं अबुध अज्ञानि... मैं क्रोधी कपटी कामी.....स्वामि....[२]
कृपा करो तुम हम पर... हे विश्वके महा आधिपति...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
दुःख हर्ता सुख कर्ता... विश्वेश्वर तुम मेरे.....स्वामि....[२]
वरद हस्त उठाओ... शुभ आशिष हमें देनें.....
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
विचार आचार सुधारो.. पाप हरो देवा.....स्वामि...[२]
श्रद्धा भक्ति बढाओ..आस्था शक्ति बढाओ..हे स्वस्तिक प्राणपति...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......

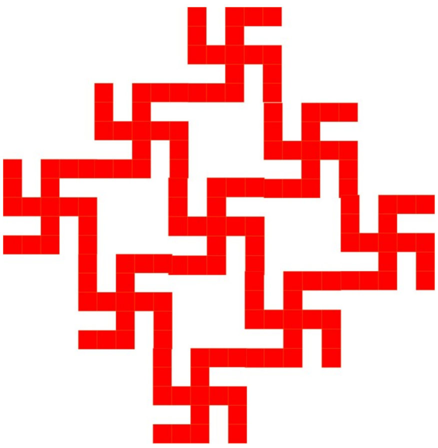
आदी प्रतिक नमस्तुभ्यम.....

ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ.........

ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः

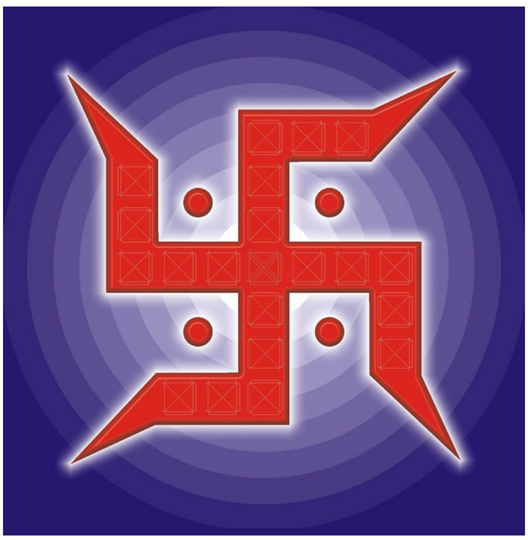
ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ......... ॐ.........

आदी प्रतिक नमस्तुभ्यम..[२], प्रसिद्ध मम स्वस्तिकम ।
श्री गणेश नमस्तुभ्यम...[२], गजानन नमोस्तुते ।
आदी प्रतिक नमस्तुभ्यम..[२] ..[२] [कोरस]
शुभम करोती कल्याणम....[२], मंगलम भाग्योदयम ।
महाविघ्न हरम देवम......[२] तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...
तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...[को. ४]
रक्तवर्णम चतुर्भूजम......[२] चतुष्कोणम समाकृतिम ।
अदभूतम चमत्कारीम..[२] तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...
तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...[को. ४]
त्रिदेवम त्वम महारुपम...[२] ब्रह्मा विष्णु महेश्वरम ।
महापाप हरम देवम...[२] तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...
तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...[को. ४]
त्रिदेवीम त्वम महाशक्तिम...[२] गौरी लक्ष्मी सरस्वतिम ।
रक्षणम भक्षणम कर्तांम...[२] तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...
तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...[को. ४]
रिद्धि कर्ताम सिद्धि कर्ताम...[२] ज्ञान विज्ञान मोक्षदम ।
महाशक्तिम महाभक्तिम...[२] तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...
तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...[को. ४]
चक्र त्रिशुल धारीम देवम...[२] वज्रास्त्रम ब्रह्मास्त्रम ।
सुर्य वायु ईन्द्र अग्नि रुपम...[२] तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...
तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...[को. ४]
तम स्वस्तिकम विश्वकर्तारम..[२] सर्वत्र सर्वज्ञ सर्वव्यापिम ।
सर्व पाप हरम देवम...[२] तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...
तम स्वस्तिकम प्रणमाम्यहम...[को. ४]



स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति कर दे .....

स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति कर दे, स्वस्ति करदे स्वस्तिका ।
शुभम शुभम शुभम कर दे, शुभम करदे स्वस्तिका ।
लाभम लाभम लाभम कर दे, लाभम करदे स्वस्तिका ।
कल्याण कल्याण कल्याण कर दे, कल्याण करदे स्वस्तिका ।
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति कर दे .....
नीरोगी करदे निर्विकारी करदे निःस्वार्थी हमे तुं करदे रे ।
निर्मोही करदे निरहंकारी करदे, निष्कलंकीत हमे तुं करदे रे ।
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति कर दे .....
निर्भय करदे निश्चिंत करदे, निस्पृह हमे तुं करदे रे ।
निपुण करदे निष्णांत करदे, निखालस हमे तुं करदे रे ।
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति कर दे .....
निर्पेक्ष करदे निमग्न करदे, निरभिमानी हमे तुं करदे रे ।
निर्दोषी करदे निर्वेदी करदे, नियमित हमे तुं करदे रे ।
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति कर दे .....
निरंजन करदे निष्कामी करदे, निष्पक्षी हमे तुं करदे रे ।
निर्भोगी करदे निसर्गी करदे, निदिध्यासी हमे तुं करदे रे ।
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति कर दे .....
निःशंकी करदे निर्लोभी करदे, निर्मल हमे तुं करदे रे ।
ज्ञानी करदे स्वाभिमानी करदे, स्वाध्यायी हमे तुं करदे रे ।
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति कर दे .....
भरदे भरदे भरदे भरदे, मेरी खाली झोली तुं भरदे रे ।
करदे करदे करदे करदे, मेरां सब शुभमंगल तुं करदे रे ।
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति कर दे .....



ॐ स्वस्तिकम.......... [धुन]

ॐ स्वस्तिकम ॐ कार स्वस्तिकम । [२]
स्वस्तिक मंगलम स्वस्तिकाकार मंगलम । [२]
ब्रह्मा स्वस्तिकम शारदा स्वस्तिकम !
सर्वसृष्टिके हैं सर्जनहार स्वस्तिकम ।.....
विष्णु स्वस्तिकम लक्ष्मी स्वस्तिकम !
सर्वसृष्टिके हैं तारणहार स्वस्तिकम ।.....
शिव स्वस्तिकम श्रीशक्ति स्वस्तिकम !
सर्वसृष्टिके हैं विसर्जनहार स्वस्तिकम ।....
गणेश स्वस्तिकम रुद्धिसिद्धि स्वस्तिकम !
सर्व सृष्टिके हैं विघ्नहार स्वस्तिकम ।.......
विनायक स्वस्तिकम गजानन स्वस्तिकम !
देवोंके महादेव हैं स्वस्तिक मंगलम ।....
स्वस्ति मंगलम स्वस्तिक मंगल॥
स्वस्तिक [४] हे स्वस्तिक मंगलम ।
स्वस्तिक शुभम स्वस्तिक शुभम
स्वस्तिक [४] हे स्वस्तिक शुभम ।.......

मंगल मूर्ति जय श्री गणेशम

मंगल मूर्ति जय श्री गणेशम, मंगल मूर्ति जय श्री स्वस्तिकम ।
सत्यम शिवम सुंदरम प्रतिकम, प्रभुमय स्वरुपम जय श्री स्वस्तिकम ।
शुद्धम पावनम पुजनीय वंदनम, पूण्यम पवित्रम श्री प्रभुमय प्रतिकम ।
सुर्यम चंद्रम इन्द्रम स्वरुपम, तेजस्वि ज्योतिर्मय स्वस्तिक प्रतिकम ।
आध्यात्मिकम त्वम हरी ॐ नादम, नवदुर्गा मां महाशक्ति प्रतिकम ।
आध्यशक्ति मां जगदंबा स्वरुपम, सर्वशक्ति सर्ब देव देवी समानम ।
शुभम लाभम मंगलम स्वस्तिकम, सच्चिदानंद चिन्हम श्रीस्वस्तिकम ।
सुख शांति समृद्धि दाता स्वस्तिकम, हर शुभवर दाता स्वस्तिकम ।
सृष्ठी सर्जनहार प्रतिक स्वस्तिकम, विश्वऋतु महादेवम स्वस्तिकम ।
सर्वत्र सर्वज्ञ सर्वव्यापि स्वस्तिकम, परमात्मा प्रिय प्रतिक स्वस्तिकम ।
मुक्ति मौक्ष ऐश्वर्यस्य प्रतिकम, अदभूत-अलैकिक चमत्कारी स्वस्तिकम ।
सर्व मनोरथ परिपूर्णकर्ता स्वस्तिकम, नमो नमो श्री गणेश प्रतिकम ।



ईश्वर स्वस्तिक हैं.....

ईश्वर स्वस्तिक हैं स्वस्तिक ही शिव हैं स्वस्तिक ही सुंदर हैं ।
जागो उठकर सोचो, स्वस्तिक ज्योत उजागर हैं
सत्यम शिवम स्वस्तिकम..[२] स्वस्तिकम... आ ...आ..
सत्यम शिवम स्वस्तिकम. [२].....
स्वस्तिक कलामें .. [२] कारीगीरींमें स्वस्तिक... विश्वमें स्वस्तिक सारे...
कृपा करो प्रभु देखुं ईनको, हर मानवके ह्रदयमें
स्वस्ति गणेश शरणम....... शुभम लाभम मंगलं....
सत्यम शिवम स्वस्तिकम .....
ईश्वर स्वस्तिक हैं स्वस्तिक ही शिव हैं स्वस्तिक ही सुंदर हैं ।
सत्यम शिवम स्वस्तिकम....
स्वस्तिक धर्ममें..[२] कर्ममें स्वस्तिक, स्वस्तिक सारे जीवनमें..।
चारो तरफ देखुं स्वस्तिकको, हर सृष्टीके कण कणमें....
ब्रह्मा विष्णु महेश शरणम.... सत्यम शिवम स्वस्तिकम....
ईश्वर स्वस्तिक हैं स्वस्तिक ही शिव हैं स्वस्तिक ही सुंदर हैं ।
सत्यम शिवम स्वस्तिकम....
स्वस्तिक मंदिरमें...[२] स्तुपोमें स्वस्तिक, स्वस्तिक है अपासरोमें...
दया करो पभु दर्शन करुं उनके, हर धर्मोके स्थानोंमें.....
सर्व धर्मो शरणम.... सत्यम शिवम स्वस्तिकम....
ईश्वर स्वस्तिक हैं स्वस्तिक ही शिव हैं स्वस्तिक ही सुंदर हैं ।
सत्यम शिवम स्वस्तिकम.... सत्यम शिवम प्रतिकम...

++++++++++

धून्......

हरि ॐ स्वस्तिक, हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक स्वस्तिका । [OR HARE HARE]
श्री ॐ स्वस्तिक, श्री ॐ स्वस्तिक श्री ॐ स्वस्तिक स्वस्तिका ।
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिका ।
शुभम स्वस्तिक लाभम स्वस्तिक मंगलम् स्वस्तिक स्वस्तिका ।
दिव्यम् स्वस्तिक भव्यम् स्वस्तिक अर्घ्यम स्वस्तिक स्वस्तिका ।
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिका ।
सत्यम् स्वस्तिक शिवम् स्वस्तिक सुंदरम् स्वस्तिक स्वस्तिका ।
आराध्यम् स्वस्तिक पूजनम् स्वस्तिक, ऐश्वर्यम् स्वस्तिक स्वस्तिका ।
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिका ।

स्वस्तिक हैं अति मंगलम..........

स्वस्तिक हैं अतिमंगलम, स्वस्तिक आकार भी हैं अतिमंगलम ।
सत्यम शिवम अति सुंदरम, लाभम शुभम अति कल्याणमयम ।
स्वस्तिक हैं अति मंगलम..........
श्री गणेशजीका स्वरूप हैं वो, रिद्धि सिद्धिके स्वामि भी हैं वो ।
बडे ध्यानसे जो जन भजलें तो, उसे सुख शांति समृद्धि दे वो ।
स्वस्तिक हैं अति मंगलम..........
श्री शिवजीका स्वरूप हैं वो, मां गौरीकी महाशक्ति हैं वो ।
बडे ध्यानसे जो पूजलें, उसे महाशक्तिका वरभी दें वो ।
स्वस्तिक हैं अति मंगलम..........
श्री विष्णुजीका स्वरूप हैं वो, मां लक्ष्मीका वैभव हैं वो ।
बडे ध्यानसे जो रटलें, उसे धनधान्यका वर भी दें वो ।
स्वस्तिक हैं अति मंगलम..........
श्री ब्रह्माजीका स्वरूप हैं वो, मां शारदाका महाज्ञान हैं वो ।
बडे ध्यानसे जो जपलें, उसे महाविद्याका दान भी दें वो ।
स्वस्तिक हैं अति मंगलम..........
स्वस्तिककी कृपा और करुणासे, जिवन सफल हो जायें ।
सुख शांति चैन पाके , प्रभुमें महा तल्लीन वो हो जायें ।
स्वस्तिक हैं अति मंगलम..........
स्वस्तिकको भक्तिभावसे जो भजले, धन्य धन्य वो हो जायें ।
स्वस्तिककी ही महाकृपासे, मोक्षमुक्तिको अवश्य ही वो पायें ।
स्वस्तिक हैं अति मंगलम..........
स्वस्तिककी महिमां हैं अति न्यारी, विश्वजनोंको है वो प्यारी ।
श्री स्वस्तिक नामको तुं जपलें, स्वस्तिक प्रतिकको तुं पूजले ।
स्वस्तिक हैं अति मंगलम..........

****

स्वस्तिक ब्रह्मा, स्वस्तिक विष्णु स्वस्तिक देवो महेश्वर ।
स्वस्तिक साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री स्वस्तिके नमः ।

स्वस्तिक शिव, स्वस्तिक शक्ति स्वस्तिक देवो गणपतेश्वर ।
स्वस्तिक साक्षात परमसुखम् , तस्मै श्री स्वस्तिके नमः ।

स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक

स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक, श्री ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक,
हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक, अदभूत् अलौकिक प्रतिक हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक जपलो स्वस्तिक, चमत्कारी आध्यात्मिक नाम हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ.........
धर्म हैं स्वस्तिक कर्म हैं स्वस्तिक, जिवनका गुढ मर्म हैं स्वस्तिक ।
अर्थ हैं स्वस्तिक काम हैं स्वस्तिक, जिवनका महा उदेश्य हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ.........
ब्रह्मा हैं स्वस्तिक विष्णु हैं स्वस्तिक, सृष्ठिके सर्जनहार हैं स्वस्तिक ।
शिव हैं स्वस्तिक श्रीशक्ति हैं स्वस्तिक, सृष्ठिके विसर्जनहार हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ.........
चमत्कारी हैं स्वस्तिक तेजस्वि हैं स्वस्तिक, सुर्य देवताका स्वरुप हैं स्वस्तिक ।
शीतल हैं स्वस्तिक सौम्य हैं स्वस्तिक , चंद्र देवताका स्वरुप हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ.........
ज्ञान हैं स्वस्तिक विज्ञान हैं स्वस्तिक, वेदोंका महा वरदान हैं स्वस्तिक ।
पावन हैं स्वस्तिक पवित्र हैं स्वस्तिक, आर्यजनोंका पूण्यनाम हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ......
गौरव हैं स्वस्तिक गरिमा हैं स्वस्तिक, आर्यजनोका स्वाभिमान हैं स्वस्तिक ।
स्वमान हैं स्वस्तिक सन्मान हैं स्वस्तिक, आर्यधर्मका धर्मध्वज हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ.........
सर्वोच हैं स्वस्तिक सर्वश्रेष्ठ हैं स्वस्तिक, प्रतिकोमें महान प्रतिक हैं स्वस्तिक ।
सर्वोत्तम हैं स्वस्तिक सर्वप्रथम हैं स्वस्तिक, श्रीगणेशजीका शुभप्रतिक हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ.........
सर्वव्यापि हैं स्वस्तिक सर्वत्र हैं स्वस्तिक, प्रभुकी तरह सर्वज्ञ हैं स्वस्तिक ।
अनादि हैं स्वस्तिक अमध्य हैं स्वस्तिक, प्रभुकी तरह अनंत हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ.........
परमपिता है स्वस्तिक महामाता हैं स्वस्तिक, त्रिभुवनके परमात्मा हैं स्वस्तिक ।
देवता हैं स्वस्तिक देवियां हैं स्वस्तिक, परमेश्वरका नरनारी प्रतिक हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ.........



स्वस्तिक श्लोक

स्वस्तिक प्रतिक परम पुण्यम, सत्यम शिवम च सुंदरम ।
स्वस्तिक प्रतिक सर्व देवानाम, स्वस्तिक प्रतिकाय नमो नमः ।।

आर्यधर्म प्रतिकम स्वस्तिक, आर्य शक्ति बल संवर्धनम ।
आर्य संस्कृति स्वाभिमानम, स्वस्ति प्रतिकम अति उत्तमम ।।

स्वस्ति करोति स्वस्तिकम शुभम लाभम च सर्वमंगलम ।
स्वस्तिक प्रतिक महाचमत्कारीम, स्वस्तिक प्रतिकाय प्रणाम्यहम ।

स्वस्तिक करोति कल्याणम, शुभम लाभम च मंगलम ।
आरोग्यम, अर्थम च ऐश्वर्यम, स्वस्तिक प्रतिक परमेश्वरम ।

स्वस्तिक नाम सर्वदेवानाम स्वस्तिक नाम शुभ मंगलम ।
सर्वदा स्वस्ति करो देव, स्विकृत करोस्मि मम वंदनम ॥

स्वस्ति ब्रह्मा, स्वस्ति विष्णु स्वस्ति देवो महेश्वर ।
स्वस्तिकः साक्षत परब्रह्म, तस्मैश्री स्वस्तिके नमः ॥

शुभम करोति कल्याणंम, आरोग्यम धनसंपदा ।
शत्रुबुद्धि विनाशाय स्वस्तिक प्रतिकम नमोस्तुते ।

स्वस्तिक ब्रह्मा स्वस्तिक विष्णु, स्वस्तिक देवो महेश्वरा ।
स्वस्तिक साक्षात पर ब्रह्म, तस्मै श्री स्वस्तिके नमः ।

चमत्कारमय रुपं स्वस्तिक, रक्तवर्ण चतुर्भूजम ।
प्रसन्नमवद ध्यायेत, सर्वविघ्नो नाशंतये ।

सर्व मंगल मांगल्याम, गणेशम सर्वार्थ साधिके ।
शरण्यंम सर्व भूतानाम नमामो स्वस्ति स्वस्तिकम ।



स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम .....

स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम , भज प्यारे तुं स्वस्तिक नाम ।
जपले जपले तुं स्वस्तिक नाम, हर पल हर घडी सुबह और शाम ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम .....
स्वस्तिक हैं परम ईश्वरका नाम, स्वस्तिक हैं परम श्रीशक्तिका नाम ।
स्वस्तिक हैं परम पावन नाम, स्वस्तिक हैं परम पवित्रताका नाम ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम .....
स्वस्तिक हैं परम चमत्कारका नाम, स्वस्तिक हैं परम ऐश्वर्यका नाम ।
स्वस्तिक हैं परम श्रद्धाका नाम, स्वस्तिक हैं परम आस्थाका नाम ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम .....
स्वस्तिक हैं परम अलौकिक नाम, स्वस्तिक हैं परम अदभूत नाम ।
स्वस्तिक हैं परम पावन नाम, स्वस्तिक हैं परम पवित्रताका नाम ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम .....
स्वस्तिक हैं परम पूजनीय नाम, स्वस्तिक हैं परम आदणीय नाम ।
स्वस्तिक हैं परम वंदनीय नाम, स्वस्तिक हैं परम कृपालु नाम ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम .....
स्वस्तिक हैं परम शुभ-लाभका नाम, स्वस्तिक हैं परम मंगल नाम ।
स्वस्तिक हैं श्री गणेशका नाम, स्वस्तिक हैं आर्यधर्म प्रतिक महान ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम .....

++++++++++++++

धून.....

जपलो नाम नाम नाम स्वस्तिक नाम नाम नाम ।.....
स्वस्तिक नाम नाम नाम राधे श्याम श्याम श्याम ।
जपलो श्याम श्याम श्याम राधे श्याम श्याम श्याम ।
जपलो नाम नाम नाम स्वस्तिक नाम नाम नाम ।
स्वस्तिक नाम नाम नाम, सीते राम राम राम ।
जपलो राम राम राम, सीते राम राम राम ।
बोलो स्वस्तिक राधेश्याम बोलो स्वस्तिक सीतेराम ।
हे राधेश्याम राधेश्याम हे सीतेराम सीतेराम ।
भजलो स्वस्तिकका तुम नाम हरघडी करते शुभकाम।
जपलो नाम नाम नाम स्वस्तिक नाम नाम नाम ।.....
स्वस्तिक नाम नाम नाम राधे श्याम श्याम श्याम ।

भजलो जपलो रटलो प्यारे .....

भजलो जपलो रटलो प्यारे, भजलो तुम श्री स्वस्तिकका शुभनाम ।
भजलो जपलो रटलो प्यारे, भजलो तुम श्री गणेशजी का शुभनाम ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम, जय जय जय श्री स्वस्तिक नाम ।
गणेश नाम जय श्री गणेश नाम. जय जय जय हो श्री गणेशका नाम ।
भजलो जपलो रटलो प्यारे .....
भजलो स्वस्तिक शुभकारी नाम, भजलो स्वस्तिक मंगलकारी नाम ।
भजलो लाभकारी गुणकारी नाम. सुख सम्पत्ति और वैभवकारी नाम ।
भजलो जपलो रटलो प्यारे .....
भजलो स्वस्तिक सर्जनहारी नाम, भजलो स्वस्तिक विश्वकर्माका नाम ।
भजलो चतुर्मुखी कमलबिहारी नाम. भजलो ब्रह्मास्त्रधारी ब्रह्माका नाम ।
भजलो जपलो रटलो प्यारे .....
भजलो स्वस्तिक कुंजबिहारी नाम, भजलो स्वस्तिक गोवर्धनधारीका नाम ।
भजलो गदाधारी शंखधारीनाम. लक्ष्मीपति सुदर्शधारी महाविष्णुका नाम ।
भजलो जपलो रटलो प्यारे .....
भजलो स्वस्तिक विसर्जनहारी नाम, भजलो स्वस्तिक महेश्वरका नाम ।
भजलो कैलाशपति जटाधारी नाम. उमियापति त्रिशुलधारी शिवका नाम ।
भजलो जपलो रटलो प्यारे .....
भजलो भजलो भजलो भजलो, प्यारे भजलो श्री स्वस्तिकका नाम ।
जपलो जपलो जपलो जपलो, प्यारे जपलो श्री स्वस्तिकका नाम ।
रटलो रटलो रटलो रटलो, प्यारे रटलो श्री स्वस्तिकका नाम ।



जय स्वस्तिक जय प्रतिक महान ......

जय स्वस्तिक जय प्रतिक महान, परम पावन हैं स्वस्तिकका नाम ।
स्वस्तिक नाम जय स्वतिक नाम, भज प्यारे तुं स्वस्तिक का नाम ।
श्री गणेश हैं तेरो नाम, सबका कर दे तुं कल्याण ।
जय स्वस्तिक जय प्रतिक महान ......
जय शिवनंदन जय गणेश नाम, पार्वती नंदन स्वस्तिक नाम ।
जय स्वस्तिक जय प्रतिक महान ......
सुख कर्ता दुख हर्ता नाम, विघ्नविनाशी गजानन नाम
जय स्वस्तिक जय प्रतिक महान ......
परम ईश्वर हैं स्वस्तिक नाम, भक्तोंका हैं अति प्रियतम नाम ।
जय स्वस्तिक जय प्रतिक महान ......
शुभ लाभका प्रतिक महान, मंगलमूर्ती श्री गणेश समान ।
जय स्वस्तिक जय प्रतिक महान ......
विश्वमें प्रचलित स्वस्तिक नाम, स्वस्तिक हैं जगमें सर्वमहान ।
जय स्वस्तिक जय प्रतिक महान ......

****

जयतु स्वस्तिकम जयतु स्वस्तिकम .....

जयतु स्वस्तिकम जयतु स्वस्तिकम, जयतु जयतु स्वस्ति स्वस्तिकम ।
जयतु गणेशम जयतु गणेशम, जयतु जयतु स्वस्ति श्रीगणेश शरणम ।
जयतु स्वस्तिकम जयतु स्वस्तिकम .....
सर्वरिद्धि दायकम सर्वसिद्धि दायकम, सौभाग्य दायकम सदभाग्य दायकम ।
सर्वशुभ दायकम, सर्वलाभ दायकम, मंगलम दायकम कल्याणम दायकम ।
जयतु स्वस्तिकम जयतु स्वस्तिकम.....
सुर्वसुख दायकम सर्वशांति दायकम, आरोग्य दायकम सदा ऐश्वर्य दायकम ।
सर्वशक्ति दायकम, सर्वबल दायकम, महाभक्ति दायकम महामुक्ति दायकम ।
जयतु स्वस्तिकम जयतु स्वस्तिकम .....
सदध्यान दायकम अभीज्ञान दायकम, आध्यात्म दायकम आनंद दायकम ।
सद्कर्म दायकम, सदबुद्धि दायकम, सदविचार दायकम सदगति दायकम ।
जयतु स्वस्तिकम जयतु स्वस्तिकम .....
सत्संग दायकम सद्व्यवहार दायकम, सदधर्म दायकम सदाचार दायकम ।
सदधर्म दायकम, सदकाम दायकम, सदा अर्थ दायकम महामौक्ष दायकम ।
जयतु स्वस्तिकम जयतु स्वस्तिकम .....

नमो नमो श्री स्वस्तिक प्रतिकम .....

नमो नमो श्री स्वस्तिक प्रतिकम, नमो नमो श्री गणेश प्रतिकम ।
जपो जपो श्री स्वस्तिक मंत्रम, पूजो पूजो श्री स्वस्तिक महायंत्रम ।
स्मरो स्मरो श्री स्वस्तिक नामम, भजो भजो श्री स्वस्तिक महातंत्रम ।
गाओ गाओ श्री स्वस्तिक गानम, करो करो श्री स्वस्तिक महायोगम ।
नमो नमो श्री स्वस्तिक प्रतिकम .....
नर प्रतिकम नारायणी प्रतिकम, देव प्रतिकम महादेवी प्रतिकम ।
दिव्य प्रतिकम प्रभावी प्रतिकम, सौर्य प्रतिकम तेजस्वि प्रतिकम ।
नमो नमो श्री स्वस्तिक प्रतिकम .....
पावन प्रतिकम पवित्र प्रतिकम, शुद्ध प्रतिकम सत्य प्रतिकम ।
शुभ प्रतिकम लाभ प्रतिकम, मंगल प्रतिकम कल्याणी प्रतिकम ।
नमो नमो श्री स्वस्तिक प्रतिकम .....
ब्रह्मा प्रतिकम विष्णु प्रतिकम, शिव प्रतिकम श्री शक्ति प्रतिकम ।
सौर्य प्रतिकम ईन्द्र प्रतिकम, रुद्र प्रतिकम श्री मरूत प्रतिकम ।
नमो नमो श्री स्वस्तिक प्रतिकम .....
अग्नि प्रतिकम वायु प्रतिकम, यम प्रतिकम श्री सोम प्रतिकम ।
मित्र प्रतिकम आदित्य प्रतिकम, ऋत प्रतिकम श्री रती प्रतिकम ।
नमो नमो श्री स्वस्तिक प्रतिकम .....
सरस्वति प्रतिकम उषा प्रतिकम, प्रजन्य प्रतिकम वरुण प्रतिकम ।
अश्विन प्रतिकम पुसाण प्रतिकम, सावित्र प्रतिकम विश्वदेव प्रतिकम ।
नमो नमो श्री स्वस्तिक प्रतिकम .....



प्रतिकम प्रतिकम स्वस्तिक प्रतिकम .....

प्रतिकम प्रतिकम स्वस्तिक प्रतिकम, मनोहर, सुशोभित दिव्यम प्रतिकम ।

स्वस्तिकम स्वस्तिकम शुभम प्रतिकम, सत्यम शिवम सुंदरम स्वस्तिकम ।

प्रतिकम प्रतिकम स्वस्तिक प्रतिकम .....

आर्य प्रतिकम हिंदु प्रतिकम, जैन प्रतिकम बौध प्रतिकम ।
शीख प्रतिकम जरथोष्ट्री प्रतिकम, शींतो प्रतिकम ताओ प्रतिकम ।

प्रतिकम प्रतिकम स्वस्तिक प्रतिकम .....

वेदीक प्रतिकम कोप्टिक प्रतिकम, एझटॅक प्रतिकम मायन प्रतिकम ।
कबाली प्रतिकम ड्रुईड प्रतिकम, रोमन प्रतिकम ग्रीक प्रतिकम ।

प्रतिकम प्रतिकम स्वस्तिक प्रतिकम .....

अपाचे प्रतिकम मोला प्रतिकम, ‘बोनपो’ प्रतिकम ‘थियोसोफि’ प्रतिकम ।
‘मॅसन’ प्रतिकम ‘रेलियन’ प्रतिकम, ‘फलुन’ प्रतिकम आनदमार्गी प्रतिकम ।

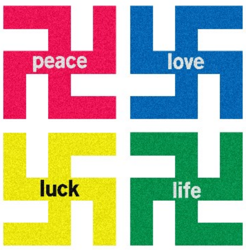
प्रतिकम प्रतिकम स्वस्तिक प्रतिकम .....

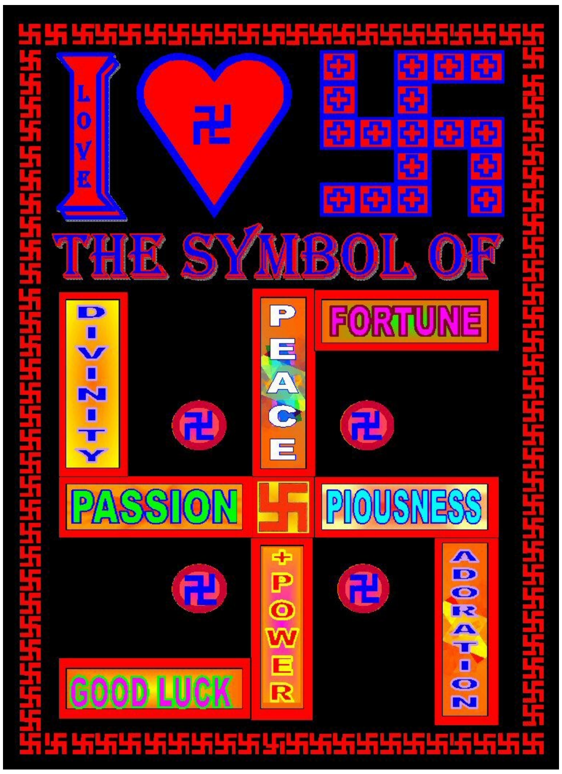
‘टेम्प्लर’ प्रतिकम ‘बहाय’ प्रतिकम, ‘काओ दाई’ प्रतिकम सर्वजाती प्रतिकम ।
सर्वधर्म प्रतिकम सर्वसंस्कृति प्रतिकम, स्वस्तिकम स्वस्तिकम शुभमंगल प्रतिकम ।

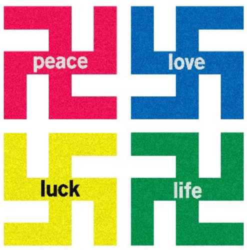
प्रतिकम प्रतिकम स्वस्तिक प्रतिकम .....

मंदिरोंपे स्वस्तिकम चर्चोंपे स्तिकम, मस्जिदपे स्वस्तिकम सिनागोगोंपे स्वस्तिकम ।
सर्वसृष्ठि प्रतिकम सर्वविश्व प्रतिकम, सर्वत्रम, सर्वव्यापि सर्वज्ञम स्वस्तिकम ।

प्रतिकम प्रतिकम स्वस्तिक प्रतिकम .....







जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम.....

जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम, आर्य धर्मका हैं प्रतिक महान ।
स्वस्तिक नाम जय स्वतिक नाम, वेदीक प्रतिक हैं सर्व महान ।
महाशक्ति हैं तेरो नाम, सबको सदबुद्धि दे हे भगवान ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम.....
ब्रह्मा विष्णु शीव तेरो नाम, विश्वके प्रथम हैं वो भगवान ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम.....
इश्वर अरिहंत तेरो नाम, दे दे सबको अहिंसाका ज्ञान ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम.....
इश्वर बुद्ध हैं तेरो नाम, फैला दे जगमें शांति ध्यान ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम.....
इश्वर वाहेगुरु तेरो नाम, दे दे धर्म संरक्षणका ज्ञान ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम.....
इश्वर अषो हैं तेरो नाम, दे दे जन सेवाका वरदान ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम.....
वेदीकधर्मके तुम हो सब नाथ, विश्वविजयकी उठादो नाद ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम.....
गाओ सौ स्वस्तिकके मिलके गान, फैलादो आर्यधर्मकी शान ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम.....

****

श्लोक.....

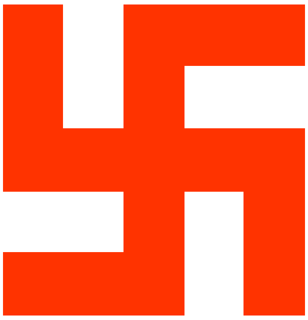
ॐ स्वं स्वस्तिकये नमो नमः श्रीगणेश रुपाय नमो नमः ।
स्वस्ति विनायक नमो नमः मंगल मूर्ति मोरिया ।

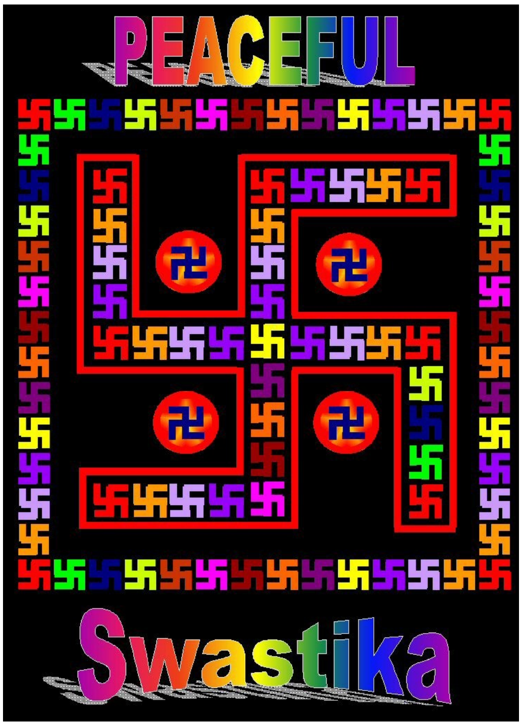
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक, श्री ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.
तत सत तत सत हरि ॐ तत सत श्री ॐ तत सत हरि ॐ स्वस्तिक.

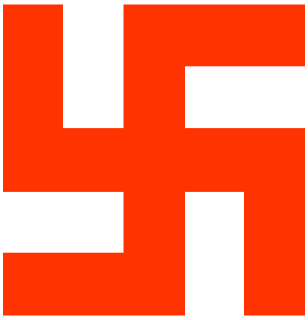
ॐ स्वस्तिकम यजा महे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम ।
उर्वारूक्मिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीयमामृतात ।

विश्व प्रतिक श्री स्वस्तिक महान .....

विश्व प्रतिक श्री स्वस्तिक महान, स्वस्तिक प्रतिक हैं श्री गणेश समान ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम, प्यारसे भजले तुं स्वस्तिक नाम ।
विश्व प्रतिक श्री स्वस्तिक महान .....
स्वस्तिकको जपे जो कोई नरनार, कृपा करे वो उन पर परम अपार ।
स्वस्तिकको पूजे जो सर्व प्रथमबार, उनका हो जाये सदा महाकल्याण ।
विश्व प्रतिक श्री स्वस्तिक महान .....
स्वस्तिकको बिराजे जो घरके द्वार, स्वस्तिक बने उनका सदा रक्षणहार ।
स्वस्तिकको भजे जो हर दिन-रात, उनका हो जाये धन्य धन्य हजार ।
विश्व प्रतिक श्री स्वस्तिक महान .....
स्वस्तिकको स्मरे जो पल पल बार, स्वस्तिक बने उनका तारणहार ।
स्वस्तिकको रटे जो हर दिन-रात, उनका हो जाये सदा ही बेडापार ।
विश्व प्रतिक श्री स्वस्तिक महान .....
स्वस्तिकको ध्यावे जो सदा काल, स्वस्तिक करे उनका शुभ मंगलकार ।
स्वस्तिकको नमे जो सदा वारंवार, स्वस्तिक दे उनको वरदान अपार ।
विश्व प्रतिक श्री स्वस्तिक महान .....
स्वस्तिकका हैं अदभूत चमत्कार, स्वस्तिककी हैं महा माया अपरंपार ।
करो कोटी वंदन करो तुम वारंवार, स्वस्तिक करेगा तेरो भव भव पार ।
विश्व प्रतिक श्री स्वस्तिक महान .....
स्वस्तिक नाम जो स्मरे अंतिमकाल, उनको मिले सदा स्वर्गके द्वार ।
स्वस्तिकानंद स्वामि कहे ये तुं मान, भज स्वस्तिक भज गणेश नाम ।
विश्व प्रतिक श्री स्वस्तिक महान .....







वंदनम प्रति वंदनम .....

वंदनम प्रति वंदनम, स्वस्तिक प्रतिकको हो वंदनम ।
सुस्वागतम सुस्वागतम स्वस्तिकका हो सुस्वागतम ।
वंदनम प्रति वंदनम .....
स्वस्तिक तो पूण्य प्रतिक हैं, स्वस्तिक तो पवित्र प्रतिक हैं ।
स्वस्तिक तो पावन प्रतिक हैं, स्वस्तिक तो जय श्री गणेश हैं ।
वंदनम प्रति वंदनम .....
स्वस्तिक तो आर्योकी प्राण हैं, स्वस्तिक तो आर्योकी शान हैं ।
स्वस्तिक तो आर्योका सन्मान हैं, स्वस्तिक तो आर्योकी पहेचान हैं ।
वंदनम प्रति वंदनम .....
स्वस्तिक तो आर्योका स्वाभिमान हैं, स्वस्तिक तो आर्योका गौरवभी हैं ।
स्वस्तिक तो आर्योका स्वमान हैं, स्वस्तिक तो आर्योकी सन्मान हैं ।
वंदनम प्रति वंदनम .....
स्वस्तिक तो आर्योकी संस्कृति हैं, स्वस्तिक तो आर्योकी यशकीर्ति हैं ।
स्वस्तिक तो आर्योकी सदभाव हैं, स्वस्तिक तो आर्योका महाप्राण हैं ।
वंदनम प्रति वंदनम .....
स्वस्तिक तो आर्योकी शक्ति हैं, स्वस्तिक तो आर्योकी भक्ति हैं ।
स्वस्तिक तो आर्योका आराध्य हैं, स्वस्तिक तो आर्योका ईश हैं ।
वंदनम प्रति वंदनम .....

+++++++++

धून....

हरिॐ हरिॐ हरिॐ हरिॐ सर्वत्र हरिॐ स्वस्तिकम ।
श्री ॐ श्री ॐ श्री ॐ श्री ॐ सर्वत्र श्री ॐ स्वस्तिकम ।
शुभम शुभम शुभम शुभम सर्वत्र शुभम स्वस्तिकम ।
लाभम लाभम लाभम लाभम सर्वत्र लाभम स्वस्तिकम ।
मंगलम मंगलम मंगलम मंगलम सर्वत्र मंगलम स्वस्तिकम ।
पवित्रम पवित्रम पवित्रम पवित्रम सर्वत्र पवित्रम स्वस्तिकम ।
शुद्धम शुद्धम शुद्धम शुद्धम सर्वत्र शुद्ध पावन स्वस्तिकम ।
सत्यम सत्यम सत्यम सत्यम सर्वत्र सत्यम स्वस्तिकम ।
शिवम शिवम शिवम शिवम सर्वत्र शिवम स्वस्तिकम ।
सुंदरम सुंदरम सुंदरम सुंदरम सर्वत्र सुंदरम स्वस्तिकम ।

सुंदरशुशोभिता.....

स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः । स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः ।
स्वस्ति नस्ताक्ष्र्यो अरिष्टनेमिः । स्वस्ति नो ब्रिहस्पतिर्दधातु|
ॐ शान्तिः ॐ शान्तिः ॐ स्वस्तिका ॐ स्वस्तिका ॥

सुंदर..शुशोभिता.....मोरा स्वस्तिका.... स्वस्तिका... स्वस्तिका... सुंदर..शुशोभिता...
अदभूता.... मोरा स्वस्तिका...[२] नयनरम्या.... मोरा स्वस्तिका...[२]
सुंदर शुशोभिता.....
स्वस्ति न इन्द्रो........
अलौकिका..... मोरा स्वस्तिका.... स्वतिका... स्वस्तिका... सुंदरशुशोभिता...
हरे.... हरे...जय श्री स्वस्तिका....हरे... हरे... जय श्री गणेशा...
स्वस्तिका.. हो स्वस्तिका.. गणेशा... हो गणेशा..[२]
सुंदर शुशोभिता.....
स्वस्ति न इन्द्रो........
तुम मेरे ईष्टदेव तुम, तुम मेरे आराध्य देव तुम,
तुम हो मेरी साधना, तुम हो मेरी आराधना... स्वस्तिका... हो.. स्वस्तिका...
सुंदर शुशोभिता.....
स्वस्ति न इन्द्रो........
तुम हर विघ्न हरे तुम, तुम हर दुख कष्ट हरे तुम
तुम जबभी प्रसन्न हो जाये, सभीका भाग्योदय होजाये...स्वस्तिका.. हो..स्वस्तिका..
सुंदर शुशोभिता.....
स्वस्ति न इन्द्रो........
तुम सर्व मंगल करे , तुम सर्वदा शुभ लाभ करे
मैंने परम आनंद पाया, तेरी भक्तिके गूणगान गाया.. गणेशा.. हो..गणेशा..
सुंदर शुशोभिता.....
स्वस्ति न इन्द्रो........
तुम मेरे सर्वस्व हो..., तुम ही मेरे विधाताभी हो..
जोभी तेरा वर पाये....., धन्य जीवन उनका हो जाये.. हरे.. हरे..जय..
सुंदर शुशोभिता.....

स्वस्तिक हैं जगमें सर्वमहान .....

स्वस्तिक हैं जगमें सर्व महान, स्वस्तिकका करो तुम महासन्मान ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम, हरी ॐ स्वस्तिक जपो शुभनाम ।
स्वस्तिक हैं जगमें सर्वमहान .....
स्वस्तिक हैं वेदोंका महाविज्ञान, स्वस्तिक हैं गीताजीका महाज्ञान ।
आर्यसंस्कृतिका हैं प्रतिक महान, आर्यधर्मका है वो धर्मध्वज समान ।
स्वस्तिक हैं जगमें सर्वमहान .....
स्वस्तिक हैं आर्यपरंपराका स्वमान, स्वस्तिक हैं आर्योंका स्वाभिमान ।
आर्य संस्कारोंका महामूल्य समान, आर्य श्रेष्ठताका हैं वो एक प्रमाण ।
स्वस्तिक हैं जगमें सर्वमहान .....
स्वस्तिक हैं परमेश्वरका वरदान, स्वस्तिक हैं नरनारी महाशक्ति समान ।
सेवा शुश्रृताका हैं वो महा अभियान, मानवताका मानव प्रतिक महान ।
स्वस्तिक हैं जगमें सर्वमहान .....
स्वस्तिक हैं विश्वका सदभाग्य निशान, स्वस्तिक हैं जगका शुभ-लाभ निशान ।
प्रेम शांति करुणाका हैं प्रतिक महान, समानता अनुकंपाका हैं वो ही निशान.
स्वस्तिक हैं जगमें सर्वमहान .....
उठो जागो ये मुढ पश्चिमवालों, करते हो विनम्र स्वस्तिकको क्युं बदनाम ।
स्वस्तिक नहि है कोइ दुष्टताका नाम, स्वस्तिकतो हैं विश्वकल्याणका नाम।
स्वस्तिक हैं जगमें सर्वमहान .....
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम, पश्चिमवालोंको सन्मति दो भगवान ।
करलो स्वस्तिक प्रतिकको प्रणाम, करनेको आत्म जन जगत कल्याण ।
स्वस्तिक हैं जगमें सर्वमहान .....

****

धून.....

श्री ॐ नाम स्वस्तिकम, श्री ॐ कार स्वस्तिकम, मंगल मंगल मंगल, मंगल स्वस्तिक मंगलम ।
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति, स्वस्तिक मंगलम, मंगल मंगल मंगल, मंगल स्वस्तिक मंगलम ।
श्री गणेश मंगलम श्री विनायक मंगलम, मंगल मंगल मंगल मंगल स्वस्तिक प्रतिक मंगलम ।
श्री गणपति मंगलम श्री गजानन मंगलम, मंगल मंगल मंगल मंगल स्वस्तिक आकार मंगलम ।
श्री विघ्नेश्वराय मंगलम श्री वरदाय मंगलम, मंगल मंगल मंगल मंगल स्वस्तिकाकृति मंगलम ।
श्री सिद्धिविनायक मंगलम श्री अष्टविनायक मंगलम, मंगल मंगल मंगल मंगल स्वस्तिकचिन्ह मंगलम ।
श्री ॐ स्वस्तिक वंदनम श्री ओम गणेश वंदनम, वंदन वंदन वंदन वंदन स्वस्तिक-गणेश वंदनम ।

हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे .....

हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे, हमें स्वस्तिक नामकी धून लगी रे ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे, हमें स्वस्तिक ध्यानकी धून लगी रे ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे .....
स्वस्तिक प्रतिक हैं हमें प्राणसेभी प्यारां, विश्वजओंका हैं लादलां दुलारां ।
स्वस्तिक प्रतिक हैं सारे विश्वमें निराला, भावसे भजत हैं उसे विश्व सारां ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे .....
स्वस्तिक प्रतिक हैं बडा सुंदर सलौनां, शुशोभित कलामय शोभे वो न्यारां ।
स्वस्तिक प्रतिक हैं बडा अदभूत अनौखा, नयन्रम्य मनमोहक प्रतिक हैं मधुरां ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे .....
स्वस्तिक प्रतिक हैं स्वयं स्वरूप प्रभुका, श्राद्धा आस्थासे पूजे उसे विश्वजन सारां ।
स्वस्तिक प्रतिक हैं शुभ मंगल शगुनवंता, भाव भक्तिसे भजे उसे विश्व्जन सारां ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे .....
स्वस्तिक प्रतिक हैं पुनित पावन पवित्र, आर्यजनोंका प्रथम चिन्ह है वो प्यारां ।
स्वस्तिक प्रतिक हैं दयालु और मायालु, भक्तजनोंपे सदा सर्वदा कृपा करनेवाला ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे .....
स्वस्तिक प्रतिक हैं सदा कल्याण करनेवाला, सुख सम्पत्ति और संतति देनेवाला ।
स्वस्तिक प्रतिक हैं सदा भाग्योदय करनेवाला, शांति संतोष और परमानंद देनेवाला ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे .....
स्वस्तिक प्रतिक हैं सदा शुद्धि वृद्धि करनेवाला, महा पुण्य और महाफल देनेवाला ।
स्वस्तिक प्रतिक हैं आध्यात्म और ऐश्वर्य देनेवाला, शुभाशिष और शुभवर देनेवाला ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे .....
स्वस्तिक प्रतिक हैं आत्मशुद्धि करनेवाला, रिद्धि, सिद्धि और बल-बुद्धि देनेवाला ।
स्वस्तिक प्रतिक हैं स्वयं श्री गणेश स्वरूपा, भक्ति शक्ति मुक्ति और मौक्ष देनेवाला ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे ..... हमें स्वस्तिक नामकी धून लगी रे ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे ..... हमें स्वस्तिक प्रतिककी धून लगी रे ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे ..... हमें श्रीगणेश नामकी धून लगी रे ।
हे...धून लगी धून लगी धून लगी रे ..... हमें गजानन नामकी धून लगी रे ।



दर्शन द्यो स्वस्तिक गणेश मेरे.....

दर्शन द्यो स्वस्तिक गणेश मेरे..., नयनां प्यासे रे....[२] +++++
कृपा दया जब तेरी उतरे....रंक बने महाराजा रे.....
दर्शन द्यो स्वस्तिक गणेश मेरे.....
रक्त रंगके फूल चढाउं...पच्चीश पकवानके भोग लगाउं... आ..आ..
मधुर मेवाका प्रसाद चढाउं...उतारुं मैं तेरी आरती रे....
दर्शन द्यो स्वस्तिक गणेश मेरे.....
ज्योतिर्मय दिपमाल प्रगटाउं... संध्या पूजा पाठ कराउं..आ...आ...
नवरत्नोंके अलंकार चढाउं....तेरे चरण कमलमें रे....
दर्शन द्यो स्वस्तिक गणेश मेरे.....
हर पल तेरा ध्यान लगाउं...हर घडी तेरा भजन मैं गाउं..आ... आ
नीशदिन मैं तेरे गुन गाउं...जपजाप करुं मैं तेरा रे.....
दर्शन द्यो स्वस्तिक गणेश मेरे.....
तेरे बिरहमें आंसु बहाउं... मनको मैं कैसे समझाउं.... आ..आ...
आंखमिचोली अबतो छोडो...हे स्वस्तिक स्वामि रे....
दर्शन द्यो स्वस्तिक गणेश मेरे.....

++++++++++

धून.....

हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक हरि हरि...
श्री ॐ स्वस्तिक श्री ॐ स्वस्तिक श्री ॐ स्वस्तिक हरि हरि.....
ॐ ॐ स्वस्तिक ॐ ॐ स्वस्तिक ॐ ॐ स्वस्तिक हरि हरि.....
ह्रीं ॐ स्वस्तिक ह्रीं ॐ स्वस्तिक ह्रीं ॐ स्वस्तिक हरि हरि.....
श्रीं ॐ स्वस्तिक श्रीं ॐ स्वस्तिक श्रीं ॐ स्वस्तिक हरि हरि.....
क्लीं ॐ स्वस्तिक क्रीं ॐ स्वस्तिक क्रीं ॐ स्वस्तिक हरि हरि.....
गं ॐ स्वस्तिक गं ॐ स्वस्तिक गं ॐ स्वस्तिक हरि हरि.....
स्वं ॐ स्वस्तिक स्वं ॐ स्वस्तिक स्वं ॐ स्वस्तिक हरि हरि...
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं गं स्वं श्री स्वस्तिकायनमः ।

ॐ नमो श्री स्वस्तिकाय......

ॐ नमो श्री स्वस्तिकम्... ॐ नमो श्री गजाननम् ।[२]
ॐ नमो महा प्रतिकम्... ॐ नमो त्वम नमो नमः।
ॐ नमो श्री स्वस्तिकम्......
तुम तो मेरे ईष्टदेव हो, तुम तो मेरे आराध्य हो । [२]
तुम तो मेरे विधाता हो, तुम मेरे पूण्य प्रतिक हो ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिम्......
तुम तो मेरा जीवन हो, तुम तो मेरे आदर्श हो ।
तुम तो मेरा भाग्य हो, तुम ही तो मेरा प्राण हो ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिम्......
तुम तो मेरी आराधना हो, तुम तो मेरी साधना हो । [२]
तुम तो मेरी प्रार्थना हो, तुम तो मेरी अर्चना हो । [२]
ॐ नमो श्री स्वस्तिम्......
तुम तो मेरे पालक हो... तुम तो मेरे आभूषण हो ।
तुम तो मेरे सर्जक हो.. तुम तो मेरे विनाशक हो ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिम्......
तुम तो मेरे महादेव हो, तुम तो मेरी महादेवी हो ।
तुम तो मेरे परमेश्वर हो, तुम तो मेरे लीये सर्वस्व हो ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिम्......

स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम..

स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. [४]
स्वस्तिक नाम.. नाम.. नाम.. बोलो जय जय जय् श्री स्वतिक नाम ...
स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. [४]
राधेश्याम श्याम.. श्याम.. श्याम.. बोलो जय जय हो श्री राधेश्याम..
स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. [४]
सीतेराम... राम.. राम.. राम.. बोलो जय जय हो श्री सीतेराम ... ..
राधेश्याम राधेश्याम सीतेराम सीतेराम राधेश्याम राधेश्याम सीतेराम सीतेराम...
भजलो भजलो भजलो भजलो प्यारे श्री स्वस्तिक गणेशका तुम नाम ।

स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका...

स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका....[२], तुम सब स्वस्तिक करे...
स्वस्तिका.... हे.. स्वस्तिका....[२], तुम सब शुभमंगल करे...
स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका....
तुम विविध विघ्न हरे...[२] तुम हर मार्ग प्रशिश्त करें ।
तुम हर दुःख-दरिद्र हरे, तुम सदा हर कष्टको भी हरे ।
स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका....
जब स्वस्तिका प्रसन्न होये, तब सभीका भाग्योदय होये ।
तुम सबका सुमंगल करे.., तुम सबका शुभलाभ करे ।
स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका....
तुम हर भय दूर करे...[२] तुम हर भीती-डर दूर करे ।
तुम सबको निर्भय करे..., तुम सबको बलवान करे ।
स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका....
जब कोई तेरी भक्ति करे... तुम उनको शुभाशिष दें ।
तुम उनका कल्याण करें... तुम उनका भव पार करे ।
स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका....
तुम सतचित आनंद करे..[२] तुम शांति सबको दे ।
तुम स्वर्ग उसे अर्पण करें...तुम महामोक्ष प्रदान करें ।
स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका....
श्रीगणेशा... हे.... श्रीगणेशा... कृपा करो हे गणेशा ।
स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका.. दया करो हे स्वस्तिका ।
श्रीगणेशा... हे.... श्रीगणेशा... अनुकंपा करो हे गणेशा ।
स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका.. करुणा करो हे स्वस्तिका ।
स्वस्तिका.... हे... स्वस्तिका...



स्वस्तिका.... स्वस्तिका....

स्वस्तिका.... स्वस्तिका.... सारे जगका स्वस्तिका ।
स्वस्तिका.... स्वस्तिका.... मनमोहना स्वस्तिका ।
स्वस्तिका.... स्वस्तिका.... नयनमोहना स्वस्तिका ।
स्वस्तिका.... स्वस्तिका....
जगद्के हो जगद्पति देवा विश्वके हो विश्वेश्वर देवा ।
चर्तुदिशाओंमें तुम छाया हो तुम स्वस्तिका....
स्वस्तिका.... स्वस्तिका....
कलाधिपति हो प्रतिका, धर्माधिपति हो प्रतिका ।
प्रतिकोंके महाप्रतिक हो तुम स्वस्तिका....
स्वस्तिका.... स्वस्तिका....
सर्वश्रेष्ठ हो स्वस्तिका, सर्वमान्य हो स्वस्तिका ।
मानवता महचिन्ह हो तुम स्वस्तिका...
स्वस्तिका.... स्वस्तिका....
मंगलकर्ता हो प्रतिका, सर्वशुभकर्ता हो प्रतिका ।
सदभाग्यका भाग्योदय हो तुम स्वस्तिका...
स्वस्तिका.... स्वस्तिका....
ऋतुराजा हो स्वस्तिका, शस्त्र-अस्त्र हो स्वस्तिका ।
तिमिर तेजोर्मय हो तुम स्वस्तिका......
स्वस्तिका.... स्वस्तिका
तंत्र-मंत्र हो स्वस्तिका, यंत्र-योग हो स्वस्तिका ।
महाचमत्कारी प्रतिक हो तुम् स्वस्तिका ।
स्वस्तिका.... स्वस्तिका
आर्यधर्मोका हो स्वस्तिका , आर्यसंस्कृति हो रखवाला ।
विश्वशांति महासंदेश हो स्वस्तिका..
स्वस्तिका.... स्वस्तिका...



सुंदरम सुंदरम मम .....

सुंदरम सुंदरम मम स्वस्तिक प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम स्वस्तिक प्रतिक हैं वंदनम ।
सुंदरम सुंदरम मम .....
सुंदरम सुंदरम मम शुभ प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम शुभ प्रतिक वंदनीयम ।
सुंदरम सुंदरम मम .....
सुंदरम सुंदरम मम लाभ प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम लाभ प्रतिक हैं वंदनीयम ।
सुंदरम सुंदरम मम .....
सुंदरम सुंदरम मम भाग्य प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम भाग्य प्रतिक वंदनीयम ।
सुंदरम सुंदरम मम .....
सुंदरम सुंदरम मम मंगल प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम मंगल प्रतिक वंद नीयम ।
सुंदरम सुंदरम मम .....
सुंदरम सुंदरम मम गणेश प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम गणेश प्रतिक वंदनीयम ।
सुंदरम सुंदरम मम .....
सुंदरम सुंदरम मम आर्य प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम आर्य प्रतिक वंद नीयम ।
सुंदरम सुंदरम मम .....
सुंदरम सुंदरम मम धर्म प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम धर्म प्रतिक वंदनीयम ।
सुंदरम सुंदरम मम .....
सुंदरम सुंदरम मम कर्म प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम कर्म प्रतिक वंदनीयम् ।
सुंदरम सुंदरम मम .....
सुंदरम सुंदरम मम मौक्ष प्रतिक हैं सुंदरम ।
वंदनम वंदनम मम मौक्ष प्रतिक वंदनीयम ।
सुंदरम सुंदरम मम .....

स्वस्तिक तेरो नाम .....

स्वस्तिक तेरो नाम, श्री गणेश तेरो नाम.....[२]
सबको सदबुद्धि दे भगवान.....सबका करो तुम कल्याण..
स्वस्तिक तेरो नाम .....
अभागी जनोंका भाग्य न रुठे...[२] भक्तजनोंकी आषा न तुटे..[२]
दर्शन बिना...दाता..[२] जाये न प्राण.....
सबको सदबुद्धि दे.....
ये सृष्ठीके सर्जन करनेवाले...[२] निर्धनओ धन देने वाले...[२]
धनवानोंको दे शुभ ज्ञान.... सबको सदबुद्धि दे.....
स्वस्तिक तेरो नाम .....
विश्वजनों आपसमें न झगडे..[२] बंधुत्वके वो भावको तरसे....[२]
सर्वजनोंको दे दे गीताका ज्ञान...
स्वस्तिक तेरो नाम .....
सत्कर्मीओंका सत्कर्म न छूटे...[२], सदधर्मीओंका सदधर्म न छूटे..[२]
सर्वजनोको मिले....सदा...[२] आध्यात्मिक... ज्ञान..
स्वस्तिक तेरो नाम .....
इश विश्वका व्यवहार न बिगडे..[२] आर्यधर्मका प्रभाव न उजडे... [२]
सर्वको मिले ...सदा...[२] सुख शांति वरदान......
स्वस्तिक तेरो नाम .....

श्लोक.....

स्वस्तिक प्रतिक परम पूण्यं, पावनम पवित्रम सदा ।
मंगलम निर्मलम शुभम, सौभाग्यम प्रतिकम सदा ॥
स्वस्तिक प्रतिक परम दिव्यम, चमकारीम कल्याणींम् तथा ।
मुक्तिदम मौक्षदम चैव, ऐश्वर्य प्रतिकम सर्वदा सदा ॥
*
स्वस्तिक प्रतिक परम पवित्रम, नित्यं ध्यायंति योगीनः ।
सुखदम शांतिदम चैव, स्वस्तिक प्रतिकाय नमो नमः ।।
*
नमो देवो महा देवो स्वस्तिक देवो सर्वार्थ साधिके ।
शरण्ये स्वस्तिके शक्ति, रिद्धि सिद्धि नमो स्तुते ।
*
स्वस्तिक प्रतिक महा दिव्यम, नित्यं पूजयंति सर्वेजनाम ।
धन धान्यादि सुख प्राप्त्यर्थम, स्वस्तिक साधना करोम्यहम ।

शत शत तुमको प्रणाम .....

शत शत तुमको प्रणाम, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम ।
शत शत तुमको नमन, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम ।
शत शत तुमको प्रणाम .....
हम आये तेरे चरणकमलमें, साधना जागृत करो तुम हमारी ।
हे मंगल मुर्ति श्री गणेशा, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[२]
शत शत तुमको प्रणाम ..... स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[२]
भक्ति ज्ञानकी ज्योत जलादो..[२] मनमे श्रद्धा भाव बहादो...[२]
तब होगा हमारां कल्याण, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..
शत शत तुमको प्रणाम ..... स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[
शुभ लाभ मंगल करदो हमारां, दुख कष्ट विघ्न हरो सब हमारां ।
जपते ही तेरो शुभ नाम, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[२]
शत शत तुमको प्रणाम ..... स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[
शुभ आशिष हमें शुभ वर दो...[२] हमरे जिवनका उद्धार करदो ।
द्यो सुख शांतिके आशिर्वाद...,, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम.
शत शत तुमको प्रणाम ..... हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम.
मोह मायाके बंधन मिटादो, निर्मल नीरकी सरीता बहादो..[२]
करदो कृण्वन्तो आर्यम विश्वम, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम...[२].
शत शत तुमको प्रणाम ..... हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम

****

धून.....

गजानना श्री गजानना श्री ॐ स्वस्तिक गजानना ।
गजानना श्री गजानना हरि ॐ स्वस्तिक गजानना ।
स्वस्तिक स्वस्तिक गजानना श्री ॐ स्वस्तिक गजानना ।
स्वस्तिक स्वस्तिक गजानना हरि ॐ स्वस्तिक गजानना ।
विनायका श्री विनायका श्री ॐ स्वस्तिक विनायका ।
विनायका श्री विनायका हरि ॐ स्वस्तिक विनायका ।
स्वस्तिक स्वस्तिक विनायका श्री ॐ स्वस्तिक विनायका |
स्वस्तिक स्वस्तिक विनायका हरि ॐ स्वस्तिक विनायका ।

श्लोक.....

शुभम करोति स्वस्तिकम, लाभम मंगलमेव च ।
यत कृपा तम हं वन्दे, सर्वकार्ये स्वस्ति भवेद सदा ।

*

अखिल विश्वाकारम, अखिल विश्वम प्रवर्तते ।
सर्वे जनाम पूज्यते स्वस्तिक, तस्मै श्री स्वस्तिके नमः

*

मंगलम प्रतिक स्वस्तिक, मंगलम प्रतिकध्वज ।
मंगलम चतुष्कोण रुपाय, मंगलाय रक्तवर्णो हरी ।
सर्व मांगल मांगल्ये, स्वस्ति सर्वार्थ साधिके ।
शरण्ये गणेशे रिद्धि-सिद्धि, शक्तिदेवी नमोस्तुते ।

*

नमो देवो महा देवो । स्वस्तिक प्रतिकाय नमो नमः ।
नमः श्री गणेश रुपाय, प्रथमो प्रतिकाय नमो नमः ।

*

अदभूतो पवित्राकार, महा देवो श्री स्वस्तिका ।
सर्वेकार्या शुभम कर्ताम, विघ्नम हर्ता विनायका ।

*

जयंति मंगलाकारम, शुभाकारम सुख-शांति दायकम ।
सर्वे करोति कल्याणम, श्री स्वस्तिकम प्रणमांम्यहम ।

*

सर्वे करोति शुभम लाभम, सुख समृद्धि सदा दायकम ।
सर्व विघ्नो हरे श्रीगणेशम, श्री स्वस्तिकम प्रणमांम्यहम ।
सर्वे करोति सुमंगलम । आरोग्य ऐश्वर्य सदा दायकम ।
सर्व संकट हरे शुभप्रतिकम, श्री स्वस्तिकम प्रणमांम्यहम ।
सर्वे करोति पावनम पवित्रम, शक्ति शांति सदा दायकम ।
सर्व पाप हरे महा श्रीगणेशम, श्री स्वस्तिकम प्रणमांम्यहम ।
सर्वे करोति सदा कल्याणम, रिद्धि सिद्धि सदा दायकम ।
मुक्ति मौक्ष महा दातायम, श्री स्वस्तिकम प्रणमांम्यहम ।

*

नमो देवो महा देवो, स्वस्तिक प्रतिकाय नमो नमः ।
नमः श्रीगणेश रुपाय, शुभ मंगल प्रतिके नमो नमः ।

जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....

जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक जय गणेश देवा ।
शुभलाभ मंगल प्रतिक,प्रथम पूजीत महा देवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
मायावंत करुणावंत, चतुर्भूजा धारी ।
रक्त वर्णमें वो शोभे, अष्ठांगधारी देवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
भक्तोंके मनमें भायें, स्वस्तिक महा देवा ।
आरती पूजन करे, जप तप करे सेवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
निर्धनको धन देत, दुःखीयनको सुखमेवा ।
निर्बलको बल देत, अशकतको महाशक्ति देवा.
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
अज्ञानीको ज्ञान देत, भक्तों को भक्ति सेवा ।
रोगीको आरोग्य देत, हर कष्ट हरे देवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
स्वस्तिक शरणमें आयें, वो पाये शुभाशिष देवा ।
धन्य धनय जीवन होये, कल्याण करे श्रीगणेशा ।
शुभलाभ मंगल प्रतिक,प्रथम पूजीत महा देवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक जय गणेश देवा ।

धून्.....

जय जय स्वस्ति स्वस्तिक हरी बोल...[४] हरि बोल हरि बोल हरि हरि बोल[२]
जय...... जय....स्वस्ति... स्वस्तिक..... हरि.... बोल......
स्वस्ति बोल स्वस्ति बोल स्वस्ति बोल [४]...जय...जय...]
शुभम बोल शुभम बोल शुभम बोल..[४] ....जय जय...
मंगल बोल मंगल बोल मंगल बोल ..[२]... जय जय...
जय श्री स्वस्तिक प्यारे बोल ..[२] जय श्री गणेश प्यारे बोल ..[२]
जय श्री सिद्धिविनायक बोल...जय श्री अष्ठविनायक बोल..[२]..जय... जय....

हे मेरे मनमें.. हे मेरे तनमें.......

हे मेरे मनमें.. हे मेरे तनमें हैं, बस अब तो एक ही नाम [२] ।
श्री स्वस्तिक नाम स्वस्तिक नाम स्वस्तिक नाम ।
श्री गणेश नाम गणेश नाम गणेश नाम ।
श्री विनायक नाम विनायक नाम विनायक नाम ।
मैं कैसे रटुं श्री गणेशजीका नाम, मैं कैसे जपुं श्री विनायकका नाम ।,
गौरीनंदन गजानन श्री गणेश नाम, रिद्धिसिद्धिपति श्री अष्टविनायक नाम ।
हे मेरे मनमें.. हे मेरे तनमें.......
मैं कैसे रटुं श्री मयुरेश्वरका नाम, मैं कैसे जपुं श्री महागणपतिका नाम ।
गौरीनंदन गजानन श्री गणेश नाम, रिद्धिसिद्धिपति श्री अष्टविनायक नाम ।
हे मेरे मनमें.. हे मेरे तनमें.......
मैं कैसे रटुं श्री वरदविनायकका नाम, मैं कैसे जपुं श्री चिंतामणिका नाम ।
गौरीनंदन गजानन श्री गणेश नाम, रिद्धिसिद्धिपति श्री अष्टविनायक नाम ।
हे मेरे मनमें.. हे मेरे तनमें.......
मैं कैसे रटुं श्री गिरीजात्मकका नाम, मैं कैसे जपुं श्री विघ्नेश्वरका नाम ।
गौरीनंदन गजानन श्री गणेश नाम, रिद्धिसिद्धिपति श्री अष्टविनायक नाम ।
हे मेरे मनमें.. हे मेरे तनमें.......
मैं कैसे रटुं श्री बलालका नाम, मैं कैसे जपुं श्री सिद्धिविनायकका नाम ।
गौरीनंदन गजानन श्री गणेश नाम, रिद्धिसिद्धिपति श्री अष्टविनायक नाम ।
हे मेरे मनमें.. हे मेरे तनमें.......

श्लोक.....

नमो नमः ॐ नमो नमः, श्री स्वस्तिक प्रतिके नमो नमः ।
श्री सिद्धिविनायक नमो नमः, श्री गणेशरुपाय नमो नमः ।
नमो नमः ॐ नमो नमः, श्री स्वस्तिक प्रतिके नमो नमः ।
श्री चतुर्भूजाय नमो नमः, श्री रक्तवर्ण प्रतिके नमो नमः ।
नमो नमः ॐ नमो नमः, श्री स्वस्तिक प्रतिके नमो नमः
श्री स्वस्तिविनायक नमो नमः, श्री स्वस्तिगजानन नमो नमः ।
नमो नमः ॐ नमो नमः, श्री स्वस्तिक प्रतिके नमो नमः
श्री अष्ठविनायक नमो नमः, श्री गणपति बापा मोरिया ।

जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....

जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक जय गणेश देवा ।
शुभलाभ मंगल प्रतिक,प्रथम पूजीत महा देवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
मायावंत करुणावंत, चतुर्भूजा धारी ।
रक्त वर्णमें वो शोभे, अष्ठांगधारी देवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
भक्तोंके मनमें भायें, स्वस्तिक महा देवा ।
आरती पूजन करे, जप तप करे सेवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
निर्धनको धन देत, दुःखीयनको सुखमेवा ।
निर्बलको बल देत, अशकतको महाशक्ति देवा.
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
अज्ञानीको ज्ञान देत, भक्तों को भक्ति सेवा ।
रोगीको आरोग्य देत, हर कष्ट हरे देवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक.....
स्वस्तिक शरणमें आयें, वो पाये शुभाशिष देवा ।
धन्य धनय जीवन होये, कल्याण करे श्रीगणेशा ।
शुभलाभ मंगल प्रतिक,प्रथम पूजीत महा देवा ।
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक जय गणेश देवा ।







जब जब स्वस्तिकका.....

स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. [४] ******************
स्वस्तिक नाम.. नाम.. नाम.. बोलो जय जय श्री स्वतिक नाम ...

जब जब स्वस्तिकका नाम लिया [२] हर विघ्नोंको मैंने पार किया ।
जब जब स्वस्तिकका नाम लिया [२] हर संकट भयका नाश हुआ ।
जब जब स्वस्तिकका.....
जीवनके हर मोडपे मैंने, स्वस्तिकके चरनमें शरण लिया।
जीवनके हर कोई संघर्शोमें, स्वस्तिकने हमें ही साथ दिया ।
जब जब स्वस्तिकका.....
स्वस्तिक नामका ध्यान किया, पिडा व्याधि सब मिट गया ।
स्वस्तिक नामका मंत्र जपा, हर भिती डर सब भाग गया ।
जब जब स्वस्तिकका.....
स्वस्तिक मंगलका नाम लिया, हर दुःख दरिद्र दूर हुआ ।
मेरे जीवनके भवसागरको, स्वस्तिक नामने ही तार दिया ।
जब जब स्वस्तिकका.....
स्वस्तिक कृपासे सबकुछ पाया, हमें नवजीवन आधार मिला ।
सच कहता हुं श्रीगणेश तुमको, तुमने नवजीवन दान दिया ।
जब जब स्वस्तिकका.....
स्वस्तिक नाम..........

जय स्वस्तिक श्री गजानन गणेशा.....

जय स्वस्तिक श्री गजानन गणेशा, करो कार्य सदा सिद्ध हमारां ।
जय गणपति श्री विनायक गणेशा, करो मनोरथ परिपूर्ण हमारां ।
जय श्री स्वस्तिक.....
करो कल्याण तुम सभी भक्तजनोंका, हरो हर कष्ट दुख दरिद्र हमारां ।
करो उद्धार तुम सर्व स्वस्तिकजनोंका, जीवन धन्य तुम करो हमारां ।
जय श्री स्वस्तिक.....
करो उत्कर्ष तुम सभी पिडितजनोंका, हरो आपत्ति और हर संकट हमारां ।
तेरे बिना नहिं हैं कोई और हमारां, करदो तुमही सर्व शुभ मंगल हमारां ।
जय श्री स्वस्तिक.....
शुभनाम जपुं मैं दिनरात तुम्हारां, करो कृपा हे स्वस्तिक श्री गणेशा ।
करो उपकार अनुग्रह तुम महा देवा, करो सार्थक यह जिवन हमारां ।
जय श्री स्वस्तिक.....

छोड दे उनपर तेरे भाग्यकी रेखा.....

छोड दे उनपर तेरे भाग्यकी रेखा, वो ही भाग्य विधाता हैं ।
होगा ही जो स्वस्तिक चाहेगा, वो ही तो विश्वविधाता हैं ।
छोड दे उनपर तेरे भाग्यकी रेखा.....
सारे विश्वके हर शुभ मंगलका, स्वस्तिक ही तो कर्ताहर्ता हैं ।
विश्वजनोंका भाग्योदय करनेवाला, स्वस्तिक ही तो भर्था हैं ।
छोड दे उनपर तेरे भाग्यकी रेखा.....
भक्तजनोंका कल्याण करनेवाला, स्वस्तिक ही आशिषदाता हैं ।
स्वस्तिजनोंकी रक्षा करनेवाला, स्वस्तिक ही महा आरक्षक हैं ।
छोड दे उनपर तेरे भाग्यकी रेखा.....
भौतिक सुखभोग देनेवाला, स्वस्तिक ही परम कृपालु हैं ।
आध्यात्मिक सुख देनेवाला, स्वस्तिक ही महा श्रीगणेशा हैं ।
छोड दे उनपर तेरे भाग्यकी रेखा.....
भक्ति शक्ति बल बुद्धि देनेवाला, स्वस्तिक ही उर्जाधारी हैं ।
तिनों लोकमें सदा रहेनेवाला, स्वस्तिक ही सर्जनहारी हैं ।
छोड दे उनपर तेरे भाग्यकी रेखा.....
परम परमेश्वर्को पानेका, प्रतिकमय परम पथ स्वस्तिक हैं ।
मुक्ति मौक्षका वर पानेका, स्वस्तिक ही महा वरदाता हैं ।
छोड दे उनपर तेरे भाग्यकी रेखा.....

****

स्वस्तिक शांति..

स्वस्तिक शांति.. स्वस्तिक शांति.. स्वस्तिक शांति.. हरि ॐ ।
स्वस्ति ॐ स्वस्ति ॐ, स्वस्तिक शुभमंगल शांति.. हरि ॐ. ।
स्वस्तिक शांति.. स्वस्तिक शांति.. शांति शांति.... हरि ॐ. ।
जलमें हो शांति.. थलमे हो शांति, शांति शांति.. स्वस्ति ॐ ।
स्वर्गमें हो शांति.. पृथ्विपे हो शांति, शांति शांति.. स्वस्ति ॐ ।
स्वस्तिक शांति..
त्रिभूवनमें हो शांति अंतरिक्षमे हो शांति, शांति शांति.. स्वस्ति ॐ ।
विश्वदेवोमें हो शांति ब्रह्मामें हो शांति, शांति शांति.. स्वस्ति ॐ ।
स्वस्तिक शांति..
औषधिमें हो शांति वनस्पतिमें हो शांति, शांति शांति.. स्वस्ति ॐ ।
सर्वत्र हो शांति सर्वमें हो शांति, शांति शांति ... श्री स्वस्तिक ॐ ।
स्वस्तिक शांति..

निर्भय कर्ता शक्ति देता.....

निर्भय कर्ता शक्ति देता, स्वस्तिक प्रतिक हैं तेरो नाम ।
पावन कर्ता पवित्र कर्ता, स्वस्तिक प्रतिक हैं शुभनाम ।
निर्भय कर्ता शक्ति देता.....
सुखकर्ता दुःखहर्ता तुम हो, विघ्नविनाशी विनायक नाम ।
परमानंद प्रतिक तुम हो, जय श्री गणेश हैं तेरो शुभनाम ।
निर्भय कर्ता शक्ति देता.....
पालक पोशक भक्षक तुम हो, शुभ लाभ मंगल तेरो नाम ।
तारक सहायक रक्षक तुम हो, परम परमेश्वर हैं तेरो नाम ।
निर्भय कर्ता शक्ति देता.....
सर्वत्र, सर्वज्ञ सर्वव्यापि तुम हो, कणकणमें हो तुम भगवान ।
पंच तत्वमें तुम ही तुम हो, पंच परमेश्वर हैं तेरो शुभ नाम ।
निर्भय कर्ता शक्ति देता.....
तेरी कृपा बिन कुछ ना होये, तुमहो माया दया करुणाका नाम ।
तेरी कृपा जीनपर जब बरसे, उनका हो जाये सर्वदा कल्याण ।
निर्भय कर्ता शक्ति देता.....
जे कोई स्वस्तिक नामको ध्यावे, वो पावे सुख समृद्धि सन्मान ।
जे कोई स्वस्तिक नामको जपले, वो पावे मौक्ष मुक्ति वैकुंठधाम ।
निर्भय कर्ता शक्ति देता.....

जय जय जय श्री.. स्वस्तिक बोलो.....

जय जय जय श्री.. स्वस्तिक बोलो । जय जय जय श्री.. गजानन बोलो ।
श्री स्वस्तिक बोलो सांई, श्री गजानन बोलो..[२]
जय जय जय जय सांई श्री शुभ नाम बोलो....
जय जय जय श्री गणेश बोलो । जय जय जय श्री गणपति बोलो ।
श्री गणेश बोलो सांई, श्री गणपति बोलो..[२]
जय जय जय जय सांई श्री लाभ नाम बोलो....
जय जय जय श्री स्वस्तिक बोलो.....
जय जय जय श्री वक्रतुंड बोलो । जय जय जय श्री एकदंत बोलो ।
श्री वक्रतुंड बोलो सांई, श्री एकदंत बोलो..[२]
जय जय जय जय सांई श्री मंगल नाम बोलो....
जय जय जय श्री स्वस्तिक बोलो.....
जय जय जय श्री विनायक बोलो । जय जय जय श्री अष्टविनायक बोलो ।
श्री विनायक बोलो सांई, श्री अष्टविनायक बोलो..[२]
जय जय जय जय सांई श्री प्रभुजीका प्रथम नाम बोलो....

स्वस्तिकमेव जयते.....

सत्य हैं स्वस्तिक.. शिव हैं स्वस्तिक.. सुदर हैं स्वस्तिक हर् जीवनमें.
कृपा करो प्रभु स्वति बने सर्व, हर भक्तोंके घर आंगनमे....
स्वस्तिकम्..... स्वस्तिकम्..... स्वस्तिकम्..... हा..आं..आं...[२]

स्वस्तिक हैं शुभ प्रतिकम.. सत्यम शिवम हैं सुंदरम्... [४]
स्वस्तिक हैं मंगल प्रतिकम.. सत्यम शिवम हैं सुंदरम्... [४]
स्वस्तिक हैं सौभाग्य प्रतिकम.. सत्यम शिवम हैं सुंदरम्... [४]
स्वस्तिकमेव जयते, स्वस्तिकमेव जयते, जयते जयते जयते, स्वस्तिकमेव जयते..
आर्यमेव जयते, अर्यमेव जयते, जयते जयते जयते, आर्यमेव जयते..
स्वस्तिकमेव जयते.....
सत्यमेव जयते सत्यमेव जयते, जयते जयते जयते बोलो सत्यमेव जयते..
प्रेममेव जयते प्रेम्मेव जयते, जयते जयते जयते बोलो प्रेम्मेव जयते..
स्वस्तिकमेव जयते.....
धर्ममेव जयते धर्ममेव जयते, जयते जयते जयते बोलो धर्ममेव जयते..
कर्ममेव जयते कर्ममेव जयते, जयते जयते जयते बोलो कर्ममेव जयते..
स्वस्तिकमेव जयते.....
अहिंसामेव जयते अहिंसामेव जयते, जयते जयते जयते बोलो अहिंसामेव जयते..
करूणामेव जयते करूणामेव जयते, जयते जयते जयते बोलो करूणामेव जयते..
स्वस्तिकमेव जयते.....
शांतिमेव जयते शांतिमेव जयते, जयते जयते जयते बोलो शांतिमेव जयते..
आध्यात्म्यमेव जयते आध्यात्म्यमेव जयते, जयते जयते जयते बोलो आध्यात्म्यमेव जयते..
स्वस्तिकमेव जयते.....

श्लोक.....

नमो गणेश देवाय, स्वस्तिक स्वरुपाय नमो नमः ।
नमो विश्वदेवाय, स्वस्तिक प्रतिकाय् नमो नमः ॥
*
ॐ गं गणपतये नमो नमः, ॐ स्वं स्वस्तिके नमोनमः ।
ॐ श्री गणेशाय नमो नमः, ॐ श्री विनायक नमोनमः ।
ॐ सिद्धिविनायक नमो नमः, ॐ अष्ठविनायक नमोनमः ।
ॐ गजाननाय नमो नमः, ॐ गणपति बापा मोरिया ।

धून.....

हरि ॐ स्वस्तिक.. हरि ॐ स्वस्तिक.. हरि ॐ स्वस्तिक.. स्वस्तिका ।
श्री ॐ स्वस्तिक.. श्री ॐ स्वस्तिक.. श्री ॐ स्वस्तिक.. स्वस्तिका ।
श्रीं ॐ स्वस्तिक.. श्रीं ॐ स्वस्तिक.. श्रीं ॐ स्वस्तिक.. स्वस्तिका..।
ह्रीं ॐ स्वस्तिक.. ह्रीं ॐ स्वस्तिक.. ह्रीं ॐ स्वस्तिक.. स्वस्तिका ।
क्रीं ॐ स्वस्तिक.. क्रीं ॐ स्वस्तिक.. क्रीं ॐ स्वस्तिक.. स्वस्तिका ।
क्लीं ॐ स्वस्तिक.. क्लीं ॐ स्वस्तिक.. क्लीं ॐ स्वस्तिक.. स्वस्तिका ।
स्वं ॐ स्वस्तिक.. स्वं ॐ स्वस्तिक.. स्वं ॐ स्वस्तिक.. स्वस्तिका ।
ॐ स्वाहा स्वस्तिक ॐ स्वाहा स्वस्तिक ॐ स्वाहा स्वस्तिक स्वस्तिका ।

*

नमोस्तुते नमोस्तुते श्री स्वस्तिक प्रतिक नमोस्तुते ।
नमोस्तुते नमोस्तुते श्री स्वस्ति विनायक नमोस्तुते ।
नमोस्तुते नमोस्तुते श्री स्वस्ति गणेशाय नमोस्तुते ।
नमोस्तुते नमोस्तुते श्री स्वस्ति गजानन नमोस्तुते ।
नमोस्तुते नमोस्तुते श्री स्वस्ति गणपति नमोस्तुते ।
नमोस्तुते नमोस्तुते श्री स्वस्तिक प्रतिक नमोस्तुते ।...[३]

*

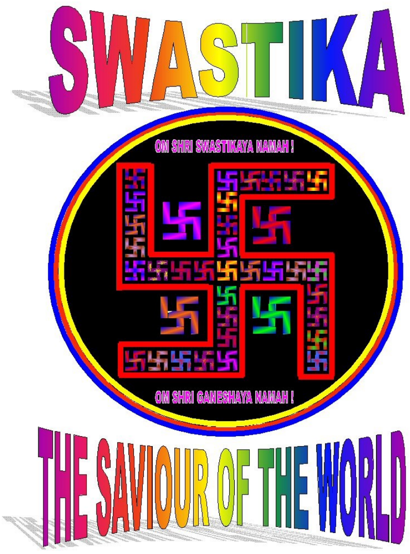
हरे स्वस्तिक हरे स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक हरे हरे ।
हरे श्रीगणेश हरे श्रीगणेश गणेश गणेश हरे हरे ।
हरे श्रीस्वस्तिका हरे.....
करे स्वस्तिक करे स्वस्तिक सर्वशुभम् करे स्वस्तिक ।
करे स्वस्तिक करे स्वस्तिक सर्वलाभम् करे स्वस्तिक ।
हरे श्रीस्वस्तिका हरे.....
करे स्वस्तिक करे स्वस्तिक सर्वमंगलम् करे स्वस्तिक ।
करे स्वस्तिक करे स्वस्तिक सर्वकल्याणम् करे स्वस्तिक ।
हरे श्रीस्वस्तिका हरे.....
करे स्वस्तिक करे स्वस्तिक सर्व आरोग्यम् करे स्वस्तिक ।
करे स्वस्तिक करे स्वस्तिक सर्व ऐश्वर्यम् करे स्वस्तिक ।
हरे स्वस्तिक हरे स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक हरे हरे ।
हरे स्वस्तिक हरे स्वस्तिक स्वस्ति स्वस्ति करे स्वस्तिक ।

सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....

ॐ नमो श्री स्वस्तिकम, ॐ नमो श्री गजाननम ।
ॐ नमो श्री विनायकम, ॐ नमो श्री गं गणेशम ।

सर्व प्रथम वंदन करते हैं, हे स्वस्तिक प्रतिक हम आपको ।
सर्व प्रथम पूजन करते हैं, हे श्री गणेश स्वरुप हम आपको ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
तेरो नाम अलौकिक अदभूत हैं, स्वस्तिक मंत्र हैं महा चमत्कार ।
अपरंपार तेरी महिमां हम गाते हैं, तेरो शुभ नाम हैं सर्व महान ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
तुम हो दयामय तुम हो करुणामय, तुम तो हो दीनबंधु हो नाथ ।
श्री गणेशजीके आराध्य स्वरुप हो, सर्व शुभ मंगल कर्ता हो नाथ ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
भक्ति साधना हर सिद्धि देता, रिद्धि-सिद्धि देता धन वैभवके साथ ।
सुख समृद्धि और शांति देता, स्वस्तिक देता महा फलदायी ज्ञान ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
श्रवण रटण स्वस्तिक बीजमंत्रका, करता हैं आत्म शुद्धि तत्काल ।
स्वस्तिकके महाबीज मंत्र जपनेसे, होता हैं सभीका जिवन उद्धार ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
जपलो रटलो भजलो हे साधो, स्वस्तिक मंत्र तुम हर दिन हर रात ।
पाओ गे तुम महामुक्ति मौक्षको, पाओ गे अवश्यही तुम स्वर्गमें वास ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
तुम हो स्वामि प्रभु अंतरयामि, पावन पूण्य प्रतिक हे स्वस्तिक देवा ।
दो शुभाशिष हमें हे भाग्यविधाता, करदो स्वस्तिक तुम कल्याण हमारां ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....



मानवताका ये सर्व प्रथम प्रतिक हैं.....

मानवताका ये सर्व प्रथम प्रतिक हैं, विश्वजनोंका है वो दुलारां ।
युगों युगोंसे सदा अविचल खडा हैं, ये स्वस्तिक प्रतिक हमारां ।
मानवताका ये सर्व प्रथम प्रतिक हैं.....
आर्यधर्मका महा शुभ प्रतिक हैं, स्वस्तिक प्रतिक हमें अतिप्यारां ।
विश्वका महा मंगल ये प्रतिक हैं, भाग्यशाली विश्वने उन्हें माना ।
मानवताका ये सर्व प्रथम प्रतिक हैं.....
पूरब- पश्चिम या उत्तर-दक्षिण हो, स्वतिकका स्थान हैं निराला ।
युगों युगोंसे सारे विश्वलोकमें, अनुपम सबने उन्हें हैं माना ।
मानवताका ये सर्व प्रथम प्रतिक हैं.....
हर धर्म, कला और संस्कृतिओंने, स्वस्तिक प्रतिकको हैं अपनाया ।
विश्वके सारे जनसमुदायने, स्वस्तिकको शुभ मंगल हैं माना ।
मानवताका ये सर्व प्रथम प्रतिक हैं.....
विश्वकी हर सभ्यताओंने, स्वस्तिकको लाभ प्रतिकसे ही जाना ।
जगकी सारी जनजातिओंने, स्वस्तिकको शुभेच्छक प्रतिक हैं माना ।
मानवताका ये सर्व प्रथम प्रतिक हैं.....
स्वस्तिक प्रतिक तो शांतिदूत हैं, स्वस्तिक प्रतिक नहि कृर आतंकी ।
प्रेम शांति और सदभावनाका ये, पावन पवित्र प्रतिक है अति पूराना ।
मानवताका ये सर्व प्रथम प्रतिक हैं.....

धून.....

श्री ॐ स्वस्तिक जय ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक हरि हरि ।
शुभम स्वस्तिक लाभम स्वस्तिक मंगलम स्वस्तिक हरि हरि ।
पूण्यम स्वस्तिक पावनम स्वस्तिक पवित्रम स्वस्तिक हरि हरि ।
दिव्यम स्वस्तिक भव्यम स्वस्तिक शुद्धम स्वस्तिक हरि हरि ।
सत्यम स्वस्तिक शिवम स्वस्तिक सुंदरम स्वस्तिक हरि हरि ।
ब्रह्माम स्वस्तिक विष्णुम स्वस्तिक महेशम स्वस्तिक हरि हरि ।
हरि हरि हरि हरि श्री ॐ स्वस्तिक हरि हरि ।
हरि हरि हरि हरि जय ॐ स्वस्तिक हरि हरि ।
हरि हरि हरि हरि हरि ॐ स्वस्तिक हरि हरि ।

उत्कर्ष करो उद्धार करो.....

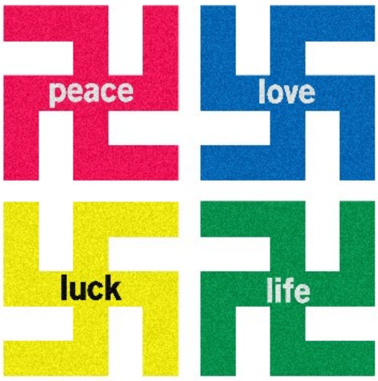
उत्कर्ष करो उद्धार करो, हे स्वस्तिक हमारां कल्याण करो ।
उत्थान करो उत्कृष्ट करो, हमरे जीवनको उज्ज्वलीत करो ।
उत्कर्ष करो उद्धार करो.....
तुम पालक हो तुम पोशक हो, तुम ही तो सृष्टीके महा सर्जक हो ।
तुम आत्मा हो तुम परमात्मा हो तुम ही तो विश्वके विधाता हो ।
उत्कर्ष करो उद्धार करो.....
तुम अनुकंपामय हो तुम करुणामय हो, तुम ही तो महा मायामय हो ।
तुम दयालु हो तुम कृपालु हो, तुम ही तो महा परोपकारी हो ।
उत्कर्ष करो उद्धार करो.....
तुम उपकारी हो, तुम उपहारी हो, तुम ही तो महा उपचारी हो ।
तुम अदभूत हो तुम अलौकिक हो तुम ही तो अति अनुपम हो ।
उत्कर्ष करो उद्धार करो.....
तुम भक्ति हो तुम शक्ति हो तुम ही तो महा मुक्ति हो ।
तुम अनुरागी हो तुम अनुग्रही तुम ही तो महा वरदानी हो ।
उत्कर्ष करो उद्धार करो.....

श्रेष्ठ उत्तम शुशील संस्कारी....

श्रेष्ठ उत्तम शुशील संस्कारी, मानवताका प्रतिक परोपकारी ।
आदर्श शीलमें सबसे न्यारां, स्वस्तिक हैं हमें प्राणसे प्यारां ।
श्रेष्ठ उत्तम शुशील संस्कारी....
शुभलाभ और सुमंगलकारी, वैभव विलाश और सुखकारी ।
दुःख दरिद्र और संकटहारी, कष्ट पिडा भय हर विघ्नहारी ।
श्रेष्ठ उत्तम शुशील संस्कारी....
प्रेम स्नेह माया गुणकारी, दया कृपा करुणां अनुकंपाकारी ।
शुकनवं सदा सौभाग्यकारी, संतती सम्पत्ति और समृद्धिदायी ।
श्रेष्ठ उत्तम शुशील संस्कारी....
मनोहर सुंदर सौम्यरूपधारी, आनंद उमंग और उत्सवकारी ।
संयम संतोष और शांतिकारी, सदा सर्वदा यश विजयकारी ।
श्रेष्ठ उत्तम शुशील संस्कारी....
अदभूत अलौकीक चेतनकारी, स्वस्तिक प्रतिक कल्याणकारी ।
भव्य दिब्य और चमत्कारी, स्वस्तिक तो हैं महागुणकारी ।
श्रेष्ठ उत्तम शुशील संस्कारी....

स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....

स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम, पवित्र प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम शुभ प्रतिकम, मंगल प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....
सुंदर प्रतिकम सुशोभित प्रतिकम, नयनरम्य प्रतिकम स्वस्तिकम ।
भव्य प्रतिकम दिव्य प्रतिकम, सुसौम्य प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....
तेजोर्मय प्रतिकम ज्योतिर्मय प्रतिकम, चमत्कारीक प्रतिकम स्वस्तिकम ।
अदभूत प्रतिकम अलौकिक प्रतिकम. अल्हादक प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....
सौभाग्य प्रतिकम शुभेच्छक प्रतिकम, सुलाभ प्रतिकम स्वस्तिकम ।
श्रेष्ठ प्रतिकम उत्तम प्रतिकम, सर्वप्रथम प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....
धर्म प्रतिकम अर्थ प्रतिकम, काम प्रतिकम स्वस्तिकम ।
ध्यान प्रतिकम ज्ञान प्रतिकम, योग प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....
सौर्य प्रतिकम चंद्र प्रतिकम, नवग्रह प्रतिकम स्वस्तिकम ।
गणेश प्रतिकम गजानन प्रतिकम, अष्टविनायक प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....
ब्रह्मा प्रतिकम विष्णु प्रतिकम, शिव-रुद्र प्रतिकम स्वस्तिकम ।
सरस्वति प्रतिकम लक्ष्मि प्रतिकम, पार्वति प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....
प्रेम प्रतिकम जीवन प्रतिकम, मौक्ष प्रतिकम स्वस्तिकम ।
भक्ति प्रतिकम शक्ति प्रतिकम, मुक्ति प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....
सत्य प्रतिकम अहिंसा प्रतिकम, अस्तेय प्रतिकम स्वस्तिकम ।
परमेश्वर प्रतिकम परमेश्वरी प्रतिकम, विश्व प्रतिकम स्वस्तिकम ।
स्वतिक प्रतिकम पावन प्रतिकम.....



वन्दे स्वस्तिकम.....

शुभदाम मंगलां पावन पवित्राम
रक्तवर्णां स्वस्तिकम ।
दिव्यदर्शनाचतुर्भूजाधारीणां
शशीस्वरूपवतसुंदरसुशोभितां
ज्योतिर्मयी मधुकर स्वरुपाम
सुखदां शांतिदां स्वस्तिकम ।।१॥ वन्दे स्वस्तिकम ।
कोटि कोटि युग हर स्थल सर्वत्र प्रकटे
कोटि कोटि जन वंदन पूजते ।
सदा सुभाशिष देते ।
बलशक्तिदायकम नमामि मुक्तिदां ।
भयदुखहारिणां स्वस्तिकम ।।२॥ वन्दे स्वस्तिकम ।
तुमहो दिव्यम तुमहो भव्यम
तुमहो कल्याणकारकम
तुमहो भक्ति तुमहो शकि
तुमहो मुक्तिदायकम
तुम्हारी प्रतिमा शोभे
हरघर मंदिरे स्वस्तिकम ॥३॥ वन्दे स्वस्तिकम ।
त्वं हि देवो नवदुर्गाशक्तिदेवियां
सर्वत्राम सर्वज्ञां सर्वव्यापी
शिव शक्तिस्वरुपाम, नमामि त्वाम
नमामि सुखदां शुभदां शांतिदाम
श्रीगणेशां विनायकां स्वस्तिकम ।।४॥ वन्दे स्वस्तिकम ।
आर्यां प्रतिकां विश्वतां पुजितां
नमामिं वंदनामिं स्वस्तिकम ॥५॥ वन्दे स्वस्तिकम ।



प्रथम पूजा हम करते हैं.....

प्रथम पूजा हम करते हैं, स्वस्तिक प्रभु हम आपकी ।
शुभ लाभ मंगलकारीकी, स्वस्तिक मंत्रके जापकी ।
प्रथम पूजा हम करते हैं.....
परम पावन पवोत्र प्रतिक, जीवन करे उद्धार ।
स्वस्तिकाकार बीज मंत्र हैं, गणेशजीका अवतार ।
प्रथम पूजा हम करते हैं.....
ॐ नमो श्री स्वस्तिकम, ॐ नमो श्री गजाननम ।
ॐ नमो श्री विनायकम, ॐ नमो श्री गणेशम ।
मनोकामना परीपूर्ण होती, दिव्य प्रेरणा प्रगट होती ।
आधि व्याधि सब कुछ मिट जाता,सुख चैन शांति हो जाती ।
श्री स्वस्तिकके जापसे, होता हैं निर्वाण ।
श्रवण स्वस्ति महामंत्रका, करे आत्म कल्याण ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिकम..... आ...आ...
तन मन जिवन परमानंदमय,हो जाता हैं जापसे ।
प्राणी वैकुंठमें जाता हैं, भक्ति पूजा महा पाठसे ।
जो नीश दिन स्मरे महामंत्र ये, वो पावे महापद मान ।
पाता हैं वो ऐश्वर्यका मर्म, श्रीगणेशजीका वरदान ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिकम..... आ...आ...
दुःख दरिद्र सब दूर भागे, संकट कष्ट कभी नहिं आवे ।
भय भूत दर सब दूर भागे, जीवन धन्य धन्य हो जाये ।
रिद्धि सिद्धि माता कहे, धरो श्री गणेशका ध्यान ।
विश्वमें अलभ्य कुछ नहिं, कओ स्वस्तिकको प्रणाम ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिकम..... आ...आ...
नित्य यज्ञ संध्या पूजा करते, शत शत उन्हें प्रणांम हैं ।
जहां रहे स्वस्तिक जीस स्थलपे, वहींपे प्रभुका वास हैं ।
कोटी नमन गौरीसुत गजानन, कोटी नमन स्वस्तिक ।
स्वस्तिकानंद दास तुम्हारो, वंदन करे वारंवार ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिकम..... आ...आ...
प्रथम पूजा हम करते हैं.....

प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....

प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम, प्रथम वंदनीयम स्वस्तिक चिन्हम ।
शुभम मंगलम स्वस्तिक आकारम, नमो स्तुते श्री स्वस्तिक प्रतिकम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम पूण्यम, स्वस्तितक तो हैं पावनम पवित्रम ।
स्वस्तिक तो हैं सत्यम शिवम, भजलो प्यारे स्वस्तिक शुभनामम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम आनंदम, स्वस्तितक तो हैं परम सुख ऐश्वर्यम ।
स्वस्तित तो हैं परम पूजनियम, भजलो प्यारे स्वस्तिक सहृदयम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम सौभाग्यम, स्वस्तितक तो हैं परम कल्याणम ।
स्वस्तिक तो हैं परम आशिर्वादम, भजलो प्यारे कृपालु स्वस्तिकम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम परमेश्वरम, स्वस्तितक तो हैं परम परमेश्वरीम ।
स्वस्तिक तो हैं परम महेश्वरम, भजलो प्यारे प्रभुमय श्री स्वस्तिकम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम श्रीगणेशम, स्वस्तितक तो हैं श्री सिद्धिविनायक्म ।
स्वस्तिक तो हैं परम अष्टविनायकम, भजलो प्यारे जय श्री गजाननम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....

श्लोक......

स्वस्तिकं स्वस्तिकाकारं स्वस्तिकात्मानं सर्वोत्तमम ।
स्वस्तिमार्ग प्रणेधारम प्रणतोस्मि स्वस्तिकम ।

*

नमामी स्वस्तिक प्रतिकंपवित्रं,करोमि स्वस्तिक पुजनं सदा ।
जपामि स्वस्तिक नाम शुद्धं ,स्मरामि मंगलं स्वस्तिकम् ।

*

मंगलम भगवान स्वस्तिक, मंगलम् स्वस्तिवाचनम् ।
मंगलमं सिद्धिविनाकाय, मंगलाय तनो देव ।
सर्व मांगल मांगल्ये , स्वस्तिके सर्वार्थ साधिके ।
शरण्ये गणेशे वृद्धि, सिद्धि बुद्धि नमोस्तुते ।

*

स्वस्तिकाकरम् परम पवित्रम्, रक्त वर्णम् ज्योतिर्मयम् ।
पावनम् मोक्षदम् पूण्यम्, स्वस्तिम् प्रणमाम्यहम् ।

स्वस्तिक स्वस्तिक .....

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक ।
गणेशम गणेशम हरी ॐ स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक .....
दिव्यम हैं स्वस्तिक भव्यम हैं स्वस्तिक ।
सुंदरम हैं स्वस्तिक मनोहरम हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक .....
पुण्यम हैं स्वस्तिक धन्यम हैं स्वस्तिक ।
पवित्रम हैं स्वस्तिक पावनम हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक .....
शुभम हैं स्वस्तिक हैं मंगलम स्वस्तिक ।
लाभम हैं स्वस्तिक सौभाग्यम हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक .....
चैतन्यम हैं स्वस्तिक चेतनम हैं स्वस्तिक ।
प्रेमम हैं स्वस्तिक भाग्यम हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक .....
साध्यम हैं स्वस्तिक आराध्यम हैं स्वस्तिक ।
पूजनीयम हैं स्वस्तिक दर्शनीयम हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक .....
अदभूतम हैं स्वस्तिक अलौकिक्म हैं स्वस्तिक ।
अद्वित्यम हैं स्वस्तिक ऐश्वर्यम हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक .....
सत्यम हैं स्वस्तिक धर्मम हैं स्वस्तिक ।
शिवम हैं स्वस्तिक श्रीदेवीम हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक .....



मैं चाहुं मैं चाहुं......

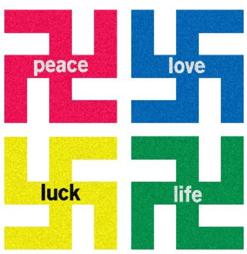
सुनो.... सुनो.... मैं स्वस्तिकाके गीत गा रहा हुं ।
हांजी स्वस्तिक गीत।
सबसे सर्वोत्तम गीत ।

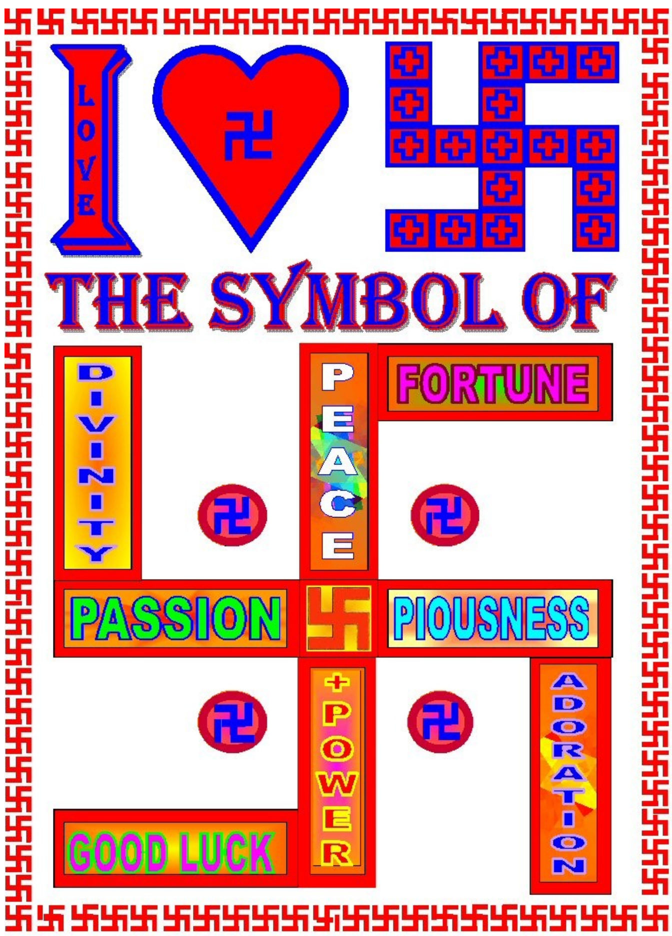
मैं चाहुं मैं चाहुं......
मैं क्युं चाहुं स्वस्तिका हो स्वस्तिका जी ।
हम क्युं चाहे स्वस्तिका हो स्वस्तिका जी ।
स्वस्तिक नहि हैं कोई हीटलर्की साईन ।
नहि हैं राग और द्वेषकी साईन ।
स्वस्तिक तो हैं पवित्र पावन साईन ।
मैं चाहुं मैं चाहुं......
स्वस्तिक नहि हैं कोई नाझी साईन ।
नहि हैं अधर्मि आतंकीओंकी साईन ।
स्वस्तिक तो हैं धार्मिक साईन ।
वेदिक आर्योंकी हैं वो प्यारी साईन ।
मैं चाहुं मैं चाहुं......
स्वस्तिक नहि हैं भेदभावकी साईन ।
नहि हैं आतंक और कृरताकी साईन ।
स्वस्तिक तो हैं प्रेम सहचारकी साईन ।
स्वस्तिक तो हैं विश्वशांतिकी साईन ।
मैं चाहुं मैं चाहुं......
स्वस्तिक तो हैं सौभाग्यकी साईन । [स्वस्तिका ईस ए गुड लक साईन]
स्वस्तिक तो हैं जनकल्याणकी साईन । [स्वस्तिका ईस ए वेलबीईंग साईन]
स्वस्तिक तो हैं शुभ मंगल साईन । [स्वस्तिका ईस एन ओस्पियस साईन]
स्वस्तिक तो हैं वसुधैवकी साईन । [स्वस्तिका ईस एन युनिवर्सल साईन]
मैं चाहुं मैं चाहुं......

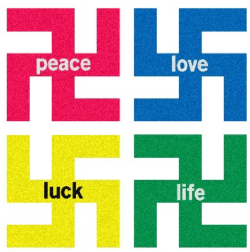


हो मैं तो प्यार करुं..

मैं तो प्यार करुं.. प्यार करुं.. स्वस्तिकाको स्वस्तिकाको जी ।
तुम प्यार करो.. प्यार करो.. स्वस्तिकाको स्वस्तिकाको जी ।
स्वस्तिका तो हैं प्रतिक पुराना, आर्यधर्मका हैं महाप्रतिक रे ।
विश्व जनों का प्यारां दुलारां, शुभ मंगल स्वस्तिक प्रतिक रे ।
हो मैं तो प्यार करुं..
सारे विश्वमें स्वस्तिक हैं छाया, जगमें हैं उनका बहुमान रे ।
हर धर्म संस्कृतिओंमें समाया, जगव्यापि स्वस्तिक नाम रे ।
हो मैं तो प्यार करुं..
कलाकृति और शिल्प भातमें, अग्रज हैं उनका स्थान रे ।
प्रेम प्रकाश जीवन भाग्यका, माना हुआ हैं ये प्रतिक रे ।
हो मैं तो प्यार करुं..
शुभ मंगलका प्रतिक सुहाना, लाभका उत्तम प्रतिक रे ।
सुख वैभवका का प्रतिक सलौना, विश्वशांतिका है दूत रे ।
हो मैं तो प्यार करुं..
स्वस्तिका है प्रतिक सत्यका, धर्म कर्मका शुभ चिन्ह रे ।
जो भावे भजले स्वस्तिका, उनका हो सदा कल्याण रे ।
हो मैं तो प्यार करुं..

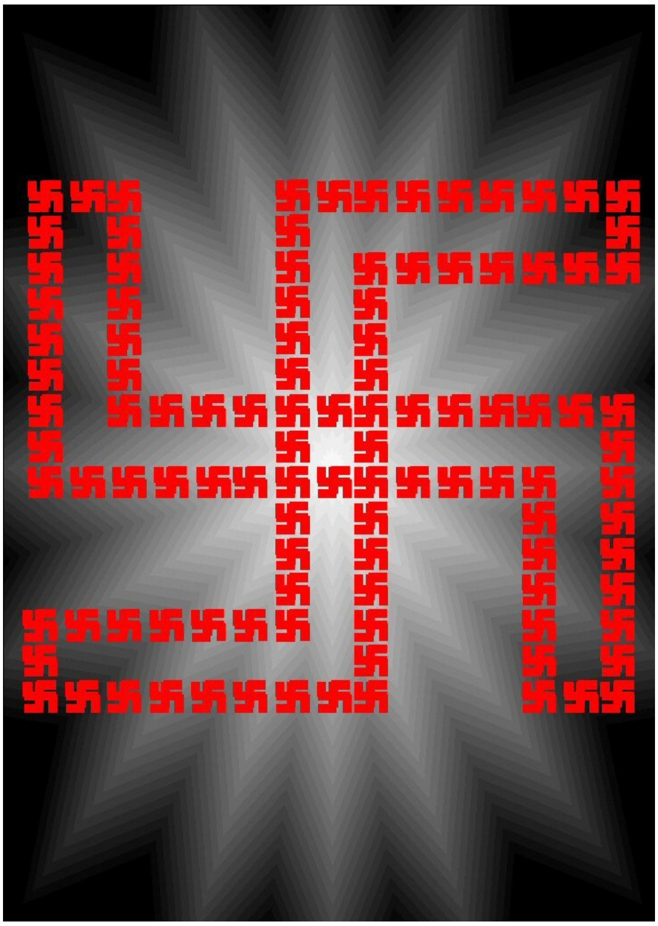






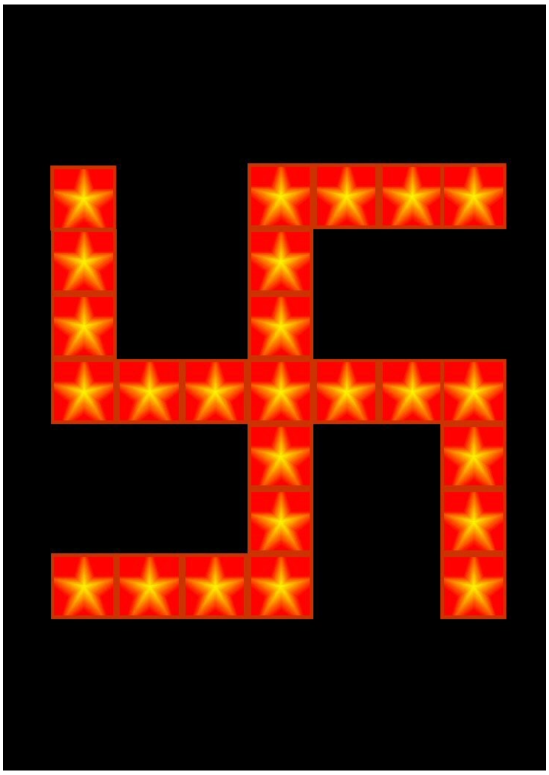
वर दे वर दे वर दे...

वर दे वर दे वर दे, हे स्वस्तिक हमें शुभवर दे ।
भर दे भर दे भर दे, खाली झोली मेरी भर दे ।
भाव भक्तिसे ध्यान ज्ञानसे, प्रेमभावसे तुं भर दे ।
बल शक्तिसे आरोग्य ऐश्वर्यसे, हे झोली तुं भर दे ।
वर दे वर दे वर दे.....
धन धान्यसे वैभव विलाससे, सुख समृद्धिसे भर दे ।
रिद्धि सिद्धिसे बुद्धि चातुर्यसे, हे झोली तुं भर दे ।
वर दे वर दे वर दे.....
आनंद उमंगसे संतोष शांतिसे, आध्यात्मसे तुं भर दे ।
विनय विवेकसे दया करूणासे, हे झोली तुं भर दे ।
वर दे वर दे वर दे.....
पूण्य कर्मसे परोपकारसे, सेवाभावसे तुं भर दे ।
सुविचारसे सदभावसे, हे झोली तुं भर दे ।
वर दे वर दे वर दे.....
सदाचारसे सद्व्यवहारसे, आत्मशुद्धिसे भर दे ।
प्रभु भक्तिसे श्रद्धाभावसे, खाली झोली मेरी भर दे ।
वर दे वर दे वर दे.....


मंगल गीत सुनाओ साधो.....

मंगल गीत सुनावो हे साधो, सुमंगल शुभ गीत तुम गाओ रे ।
स्वस्तिक नाम स्मरण करते, स्वस्तिकके सदगुण गाओ रे ।
स्वस्तिक तो हैं शुभ कल्याणी, सुखदायी और सम्पतिदायी ।
परम कृपालु प्रभु वैभवदायी, यश कीर्ति और सदा विजदायी ।
मंगल गीत सुनाओ साधो.....
स्वस्तिक तो हैं महा मंगलदायी, सुख शांति और संतोषदायी ।
परम कृपालु प्रभु संततीदायी, भक्ति शक्ति और महा फलदायी ।
मंगल गीत सुनाओ साधो.....
स्वस्तिक तो हैं शुभ लाभदायी, सुहाग और सदा सौभाग्यदायी ।
परम परमेश्वर अनुकंपादायी, सुद्धि सिद्धि और महा समृद्धिदायी ।
मंगल गीत सुनाओ साधो.....
स्वस्तिक तो हैं श्री गणेशरुप सांई, पावन पवित्र महा पूण्यदायी ।
ज्ञान बल बुद्धि और चातुर्यदायी, जय हो स्वतिगणेश प्रभु सांई ।
मंगल गीत सुनाओ साधो.....
मधुर मनोहर और आनंददायी, सुंदर सुशोभित नव जीवनदायी ।
ज्ञान बल बुद्धि और चातुर्यदायी, जय हो स्वतिगणेश प्रभु सांई ।
मंगल गीत सुनाओ साधो.....
स्वस्तिक तो हैं मृत्युंजकारी, मौक्ष मुक्ति और आत्मकल्याणी ।
जो पूजे श्री स्वस्तिक नरनारी, होये सदा उनकी जय जयकारी ।
मंगल गीत सुनाओ साधो.....


धून.....

हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका, ॐ नमो श्री स्वस्तिका ।
हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका, हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका ।
हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका, ॐ नमो श्री स्वस्तिका । [कोरस]
हरि ॐ नमो श्री गणेशा, ॐ नमो श्री गणेशा ।
हरि ॐ नमो श्री गणेशा, हरि ॐ नमो श्री गणेशा ।
हरि ॐ नमो श्री गणेशा, ॐ नमो श्री गणेशा । [कोरस]
हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका....
हरि ॐ नमो गजानना, ॐ नमो श्री गजानना।
हरि ॐ नमो गजानना हरि ॐ नमो गजानना ।
हरि ॐ नमो गजानना, ॐ नमो गजानना । [कोरस]
हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका....
हरि ॐ नमो विनायका, ॐ नमो श्री विनायका ।
हरि ॐ नमो विनायका, हरि ॐ नमो विनायका ।
हरि ॐ नमो विनायका, ॐ नमो विनायका । [कोरस]
हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका....
ॐ नमो श्री स्वस्तिका.... [२५]



स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक

स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक
हरि ॐ.. हरि ॐ.. हरि ॐ स्वस्तिक
आर्योंका हैं प्रतिक स्वस्तिक, वेदिकचिन्ह हैं स्वस्तिक ।
सर्वसनातन धर्मसंप्रदायोंका, पावन प्रतिक हैं स्वस्तिक ।
विश्वके सर्व धर्मोंमेंभी, अति आदरणीय हैं स्वस्तिक ।
विश्वव्यापी है स्वस्तिक, विश्वजनोंका चिन्ह हैं स्वस्तिक ।
शुभ लाभकारी हैं स्वस्तिक, मंगलकारी भी है स्वस्तिक ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिकम, ॐ नमो श्री गजाननम ।
ॐ नमो श्री गणेशायम, ॐ नमो श्री विनायकम ।
ॐ नमो श्री नारायणम, ॐ नमो श्री शक्तिकम ।
स्वस्तिक स्वस्तिक......
जैनोंका हैं स्वस्तिक, जिनालयोमें हैं स्वस्तिक ।
जैनधर्मका अति पावन, अष्टपाद है स्वस्तिक ।
ॐ नमो अरिहंताणम, शुभम लाभम स्वस्तिक ।
ॐ नमो अरिहंताणम, ॐ नमो सिद्धाणं ।
ॐ नमो आयरियाणं ॐ नमो उवज्ज्ञाणं ।
ॐ नमो लोए सव्वसाहुणं ॐ नमो श्री स्वस्तिकम
स्वस्तिक स्वस्तिक......
बौधधर्मका चिन्ह हैं स्वस्तिक, स्तुपोमें स्थापित हैं स्वस्तिक ।
बौधोंननोंका प्यारां हैं स्वस्तिक, विश्वशांतिका दूत हैं स्वस्तिक ।
बुद्धके छाती पर सोहे स्वस्तिक, बुद्धम शरणम श्री स्वस्तिकम ।
बुद्धम शरणम गच्छामी, धर्मम शरणम गच्छामी ।
ब्रह्मम शरणम गच्छामी,संघम शरणम गच्छामी ।
स्वस्तिक स्वस्तिक......
जपानी सिन्तोका हैं स्वस्तिक चीनी कन्फ्युझनीओंका हैं स्वस्तिक ।
अमेरिकन ईन्डियनोंका हैं स्वस्तिक, मायन-एझटेकोंका हैं स्वस्तिक ।
युरोपियन ड्रुईडोंका हैं स्वस्तिक, कोप्टीक क्रिश्च्यनोंका हैं स्वस्तिक ।
रोमन ग्रीकजनोंका हैं स्वस्तिक, नोर्डिक-वाईकिंगोंका हैं स्वस्तिक ।
सर्व विश्वजनोंका हैं श्री स्वस्तिक, गौरवसे बोलो जय श्री स्वस्तिक ।



श्रीमन स्वस्तिकाय.....

श्रीमन स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि [२]
तेरी माया सबसे प्यारी प्यारी हरि हरि [२]
भजमन स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि [२]
हरि ॐ स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि [२]
श्रीमन स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि [२]
हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका, हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका, हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका...[२]
रिद्धि स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि
सिद्धि स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि
बोलो गणेशाय गणेशाय हरि हरि
भजो स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि
जय जय स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि
हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका, हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका, हरि ॐ नमो श्री स्वस्तिका...[२]
स्वस्ति विनायक विनायक हरि हरि
सिद्धिविनायक विनायक हरि हरि
स्मरो विनायक विनायक हरि हरि
जपो स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि
अष्टविनायक स्वस्तिकाय हरि हरि
स्वस्ति स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि
पूजो स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि
नमो श्रीस्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि
नमो श्रीगणेशाय गणेशाय हरि हरि
श्रीमन स्वस्तिकाय स्वस्तिकाय हरि हरि [२]



स्वस्तिकम स्वस्तिकम....

स्वस्तिकम स्वस्तिकम, स्वस्तिकम स्वस्तिकम ।
सत्यम शीवम सुंदरम, स्वस्तिकम स्वस्तिकम ।
स्वति स्वति सदा कर्ता, स्वस्तिकम स्वस्तिकम ।
रकतवर्णम शुशोभितम, स्वस्तिकम स्वस्तिकम ।
शुभम लाभम मंगलम, स्वस्तिकम स्वस्तिकम ।
श्री गणेशाय स्वरुपा, स्वस्तिकम स्वस्तिकम ।
श्री रिद्धि सिद्धि स्वरुपा, स्वस्तिकम स्वस्तिकम ।
सत चित आनंद स्वरुपा, स्वस्तिकम स्वस्तिकम ।
श्री मां महाशक्ति स्वरुपा, स्वस्तिकम स्वस्तिकम ।
ॐ नमो स्वस्तिकम ॐ नमो स्वस्तिकम [१]
स्वस्तिकम ...स्वस्तिकम [११]
ॐ नमः प्रतिकायम ॐ नमो स्वस्तिकम
ॐ नमो नमामीहम ॐ नमो प्रतिकायम
ॐ नमो श्रीगणेशायम ॐ नमो श्री गजाननम
ॐ नमो शिव पुत्रायम ॐ नमो गौरी सुतायम
नमो नमो स्वस्तिक प्रतिकम, नमो नमो स्वस्तिक प्रतिकम

धून.....

हरि ॐ स्वस्तिका... हरि ॐ स्वस्तिका...

हरि ॐ गणेशा... हरि ॐ गणेशा......

रिद्धि सिद्धि विश्वविनायक, हरि ॐ गणेशा......

श्री ॐ स्वस्तिका... श्री ॐ स्वस्तिका...

श्री ॐ गणेशा... श्री ॐ गणेशा......

रिद्धि सिद्धि अष्टविनायक, हरि ॐ गणेशा......

ॐ स्वं स्वस्तिका... ॐ स्वं स्वस्तिका...

ॐ गं णणेशा... ॐ गं गणणेशा...

रिद्धि सिद्धि सिद्धिविनायक, हरि ॐ गणेशा......

हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ, हरि.... ॐ स्वस्तिका

स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिका ।

हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ, हरि.... ॐ स्वस्तिका

स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिका ।

स्वस्तिक स्वस्तिक .....

स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक ।
गणेशम गणेशम हरि ॐ गणेशम, हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ गणेशम ।
ॐ नमो पावन प्रतिकम, ॐ नमो पवित्र प्रतिकम ।
ॐ नमो शुभलाभ प्रतिकम, ॐ नमो मंगल प्रतिकम ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
आर्यजनोंका हैं स्वस्तिक, हिंदुजनोंका हैं स्वस्तिक ।
देवालयोंमें हैं स्वस्तिक, तीर्थस्थानोंमें हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
ॐ नमो श्री गणेशायम । ॐ नमो श्री सिद्धिविनायकम ।
ॐ नमो श्री गजाननम । ॐ नमो स्वस्तिकायम ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
जैनजनोंका हैं स्वस्तिक, जीनालयोंमें हैं स्वस्तिक ।
अष्टमंगल हैं स्वस्तिक, श्रीसुपार्श्व स्वरुप हैं स्वस्तिक ।
ॐ नमो अरिहंताणम, शुभम लाभम स्वस्तिकम ।
ॐ नमो अरिहंताणम, ॐ नमो सिद्धाणं ।
ॐ नमो आयरियाणं ॐ नमो उवज्ज्ञाणं ।
ॐ नमो लोए सव्वसाहुणं ॐ नमो श्री स्वस्तिकम ।
जीनम शरणम ग्च्छामि स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
बौधजनोंका हैं स्वस्तिक, बौधस्तुपोमें हैं स्वस्तिक ।
बुद्ध वक्षपर हैं स्वस्तिक, बौधगुफामें हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
बुद्धम शरणम गच्छामि, ब्रह्मम शरणम गच्छामि
संघम शरणम गच्छामि, संघम शरणम गच्छामि।
बुद्धम शरणम गच्छामि स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
ज्ञानम स्वस्तिक, ध्यानम स्वस्तिक...... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
योगम स्वस्तिक, भक्तिंम स्वस्तिक... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
रिद्धिम स्वस्तिक सिद्धिम स्वस्तिक.... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
भोगम स्वस्तिक, त्यागम स्वस्तिक... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
सुखम स्वस्तिक, शांतिम स्वस्तिक... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
सुहागम स्वस्तिक, सौभाग्यम स्वस्तिक... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
आनंदम स्वस्तिक, ऐश्वर्यम स्वस्तिक.... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक, स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक..... [३]

ॐ नमो महा प्रतिकायम.....

ॐ नमो महा प्रतिकायम, ॐ नमो महा स्वस्तिकायम ।
ॐ नमो महा गणेशायम, ॐ नमो महा विश्वस्वरुपायम ।
ॐ नमो महा प्रतिकायम.....
ॐ नमो शुभदायकम, ॐ नमो लाभदायकम ।
ॐ नमो भाग्यदायक्म, ॐ नमो मंगलकारीम ।
ॐ नमो महा प्रतिकायम.....
ॐ नमो सुखदायकम, ॐ नमो शांतिदायकम ।
ॐ नमो रिद्धिदायकम, ॐ नमो सिद्धिदायकम ।
ॐ नमो महा प्रतिकायम.....
ॐ नमो वैभवदायकम, ॐ नमो समृद्धिदायकम ।
ॐ नमो प्रगतिदायकम, ॐ नमो दायकम ।
ॐ नमो महा प्रतिकायम.....
ॐ नमो यशदायकम, ॐ नमो कीर्तिदायकम ।
ॐ नमो वृद्धिदायकम, ॐ नमो बुद्धिदायकम ।
ॐ नमो महा प्रतिकायम.....
ॐ नमो ऐश्वर्यदायकम, ॐ नमो प्रभुतादायकम ।

हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक.....

हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक, स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक, श्री अष्टविनायक हरि ॐ स्वस्तिक,
हरि ॐ हरि ॐ हरि......
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक, श्री गौरीनंदन हरि ॐ स्वस्तिक,
हरि ॐ हरि ॐ हरि......
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक, श्री शंकरसुपुत्र हरि ॐ स्वस्तिक,
हरि ॐ हरि ॐ हरि......
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक, श्री सिद्धिविनायक हरि ॐ स्वस्तिक,
हरि ॐ हरि ॐ हरि......
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक, श्री रिद्धिविनायक हरि ॐ स्वस्तिक,
हरि ॐ हरि ॐ हरि......
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक, श्री गणेश गजानन हरि ॐ स्वस्तिक,
हरि ॐ हरि ॐ हरि......
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक, श्री विनायक गणपति हरि ॐ स्वस्तिक,

वन्दन करो.....

वन्दन करो श्री स्वस्तिक प्रतिकको, वन्दन करो श्रीगणेश प्रतिकको ।
विश्वव्यापि शुभमंगल स्वतिप्रतिकको, सर्वप्रथम पूजनिय स्वस्तिकको ।
आर्यजनोंके आध्यात्मिक प्रतिकको, शुभ लाभके महादिव्य प्रतिकको ।
पावन पवित्र महाप्रभुके प्रतिकको, महाशक्ति मां नवदुर्गाके प्रतिकको ।
दिव्यशक्तिदाता स्वस्तिक प्रतिकको, दिव्य चेतनादाता श्री स्वस्तिकको ।
महाउर्जाके ज्योतिर्मय सुर्यदेवको, शांत शीतल सुंदररुप चंद्रदेवको ।
श्री ब्रह्माजीके महाशस्त्र ब्रह्मास्त्रको, श्री महेश्जीके महान त्रिशुलशस्त्रको ।
श्री विष्णुजीके महासुदर्शनचक्रको, माता नवदुगाके हर अस्त्रशस्त्रोंको ।
चतुर्वेदोंके महा स्वस्तिवाचनमंत्रको, तंत्र यंत्र और महायोग मंत्रको ।
साधनाके महान आध्यात्म प्रतिकको, प्रेम भक्तिमय श्रीस्वस्तिकको ।
श्री गणेशके पावन पुण्य प्रतिकको, रिद्धि सिद्धि पति परमेश्वरको ।

स्वस्तिक प्रतिकम परम पावनम.....

स्वस्तिक प्रतिकम परम पावनम, स्वस्तिक प्रतिकम परम पूजनियम ।
स्वस्तिक प्रतिकम परम सुंदरम, स्वस्तिक प्रतिकम परम सुशोभितम ।
धनम धान्यम पशु-पुत्रम लाभम, शक्ति सामर्थ्यम महाबलम वर्धनम ।
सुखम समृद्धिम सुवैभवम संवर्धनम, शांतिम संतोषम परमानंद दायकम ।
लाभम कीर्तिम सन्मानम दायकम, रिद्धिम सिद्धिम व्रुद्धिम प्रदानयम ।
बुद्धिम चातुर्यम ज्ञानम प्रदानम, वैभवम महापद प्रसिद्धिम दायकम ।
प्रेमम स्नेहम करुणाम वर्धनम, आरोग्यम ऐश्वर्यम आनंदम वर्धनम ।
सौभाग्यम मंगलम कल्याणम दायकम, शुद्धिम पवित्रम पावनम करोति ।
दुःखम दरिद्रम, कष्टम निवारणीयम, आधि-व्याधिम उपाधिम हरण्यम।
विघ्नम आपत्तिम विपत्तिम हरतिम, भयम संकटम क्षोभम हरण्यम।
शुभम सुमंगलम सर्वशक्तिमानम, स्वस्ति स्वस्ति कर्ताम स्वस्तिक प्रतिकम् ।
वंदनम प्रणामम नमस्काम् करोम्यहम्, सर्वम कल्याणम करो हे स्वस्तिकम् ।

हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिकम्.....

हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिकम्, स्वस्तिकम् स्वस्तिकम् हरि ॐ स्वस्तिकम् ।
श्री ॐ श्री ॐ श्री ॐ स्वस्तिकम्, स्वस्तिकम् स्वस्तिकम् श्री ॐ स्वस्तिकम् ।
शिव ॐ शिव ॐ शिव ॐ स्वस्तिकम्, स्वस्तिकम् स्वस्तिकम् शिव ॐ स्वस्तिकम् ।
जय ॐ जय ॐ जय ॐ स्वस्तिकम्, स्वस्तिकम् स्वस्तिकम् जय ॐ स्वस्तिकम् ।
सत्यम शिवम सुंदरम स्वस्तिकम्, भव्यम दिव्यम चैतन्यम स्वस्तिकम् ।
पावनम पवित्रम पूण्यम स्वस्तिकम्, शुभम लाभम मंगलम स्वस्तिकम् ।
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक.....
सर्वत्रम सर्वज्ञम सर्वव्यापिम स्वस्तिकम, अनादिम अनंतम अनेकम स्वस्तिकम ।
अचलम अगोचरम अज्ञातम स्वस्तिकम, श्रेष्ठम अनुपमम अनन्यम स्वस्तिकम ।
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक.....
अदभूतम अलौकिकम चमत्कारीकम स्वस्तिकम, अमूल्यम अणमोलम अतुल्यम स्वस्तिकम ।
रम्यम मोहकम मनोहरम स्वस्तिकम, परमानंदम उल्हासम सच्चिदानंदम स्वस्तिकम ।
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक.....
महेश्वरम अरिहंतम गौतमम स्वस्तिकम,पूजनीयम वंदनीयम आदरणीयम स्वस्तिकम ।
उर्जाम प्रकाशम महाशक्तिम स्वस्तिकम, आध्यात्मम ऐश्वर्यम महातपम स्वस्तिकम ।
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक.....
योगम ध्यानम भक्तिम स्वस्तिकम, मंत्रम यंत्रम तंत्रम स्वस्तिकम ।
धर्मम कर्मम मोक्षम स्वस्तिकम, श्रद्धाम आस्थाम समर्पणम स्वस्तिकम ।
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक.....
प्रतिकम चिन्हम शुभाकारम स्वस्तिकम, सब्यम सिद्धम भद्रम प्रतिकम ।
प्रथमम पूजीतम श्री गणेश प्रतिकम, आर्यधर्मम राष्ट्रम संस्कृतिम प्रतिकम ।
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक.....



प्रथम स्मरो श्री स्वस्तिक.....

प्रथम स्मरो श्री स्वस्तिक..[४] चिन्ह स्वरूप श्री गणेशा ।
अति सुंदर शोभे आकार..[२] हर मंदीरके हर द्वार द्वार ।
प्रथम स्मरो श्री स्वस्तिक..
चतुर्भूज चक्राकार ... रक्तवर्ण शुभ लाभाकार..[२]
भव्य दिव्य शुभ प्रतिक, मंगलमूर्ती गणेशा..
प्रथम स्मरो श्री स्वस्तिक..
ब्रह्मास्त्र वज्र शस्त्र समान, त्रिशुल सुदर्शन समान..[२]
आर्य धर्म ध्वज समान, आर्य गौर्वका गुणगान...
प्रथम स्मरो श्री स्वस्तिक..
पावन पवित्राकार....दैवी आध्यात्मिक आकार...[२]
पूजनिय वंदननिय...आदरणीय महा आकार...
प्रथम स्मरो श्री स्वस्तिक..
सर्व उत्तम प्रतिक, सर्व श्रेष्ठतम प्रतिक...[२]
सर्वव्यापि प्रतिक, सर्वत्र सर्वमय प्रतिक..
प्रथम स्मरो श्री स्वस्तिक..
रिद्धि सिद्धि दाता गणेश, सुख शांति दाता गणेश..।..[२]
दुख कष्ट हर्ता गणेश, सर्वसिद्धि स्वस्तिक गणेश ।
प्रथम स्मरो श्री स्वस्तिक..
विश्वव्यापी अनेक नाम, नरनारी भजे प्रभु समान..।..[२]
ऋषिमुनि गाये गुणगान, स्वस्तिकानंद धरे ध्यान ।
प्रथम स्मरो श्री स्वस्तिक..
प्रथम पुजो श्री स्वस्तिक..
प्रथम भजो श्री स्वस्तिक..



स्वस्ति स्वस्तिकम.....

स्वस्ति स्वस्तिकम, शुभम मंगलम स्वस्तिकम ।
सत्यम शिवम, सुंदरम स्वस्तिकम श्रीगणेशम् ।
स्वस्ति स्वस्तिकम.....
सर्वोत्तम सर्वश्रेष्ठम, सर्वोपरिम प्रतिकम ।
सर्वत्रम सर्वव्यापिम, सर्वेदिशाम स्वस्तिकम ।
दिव्यम दौव्यम, अव्यम रम्यम स्वस्तिकम ।
अदभूतम अलौकिकम, चमत्कारीम स्वस्तिकम ।
स्वस्ति स्वस्तिकम.....
रमणियंम शोभितम, मनोहरम स्वस्तिकम ।
परमानंदम परमसुखम, परमशांतिम स्वस्तिकम ।
स्वस्ति स्वस्तिकम.....
सौभाभाग्यम सदभाग्यम, भाग्योदयम स्वस्तिकम ।
आध्यात्मिकम भौतिकम, दैवत्वम स्वस्तिकम ।
स्वस्ति स्वस्तिकम.....
पावनम पवित्रम, शुद्धोदकम स्वस्तिकम ।
निर्मलम निर्विकारम, सर्वगुणम स्वस्तिकम ।
स्वस्ति स्वस्तिकम.....
आरोग्यम ऐश्वर्यम, उद्धारकम स्वस्तिकम ।
शुभलाभम मंगलंम, कल्याणम स्वस्तिकम ।
स्वस्ति स्वस्तिकम.....
ब्रह्मायम शिवायम, नारायणायम स्वस्तिकम ।
सरस्वतीम पार्वतीम, महालक्ष्मीम स्वस्तिकम ।
स्वस्ति स्वस्तिकम.....
आदरणीयम वंदनीयम, सत्कारणीयम स्वस्तिकम ।
पूजनियम आराध्यम, साधनियम स्वस्तिकम ।
स्वस्ति स्वस्तिकम.....



स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति....

स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति..[२] स्वस्तिक बोल.... स्वस्ति बोल स्वस्तिक बोल.......[४]
स्वस्ति बोल स्वस्ति बोल.. स्वस्तिक बोल स्वस्तिक बोल..[२]
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति....
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति..[२] स्वस्ति बोल.... सत्य बोल सत्य बोल.......[४]
सत्य बोल सत्य बोल.. सत्य बोल सत्य बोल..[२]
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति......
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति..[२] स्वस्ति बोल.... शिव बोल शिव बोल.......[४]
शिव बोल शिव बोल.. शिव बोल शिव बोल..[२]
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति......
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति..[२] स्वस्ति बोल.... सुंदर बोल सुंदर बोल.......[४]
सुंदर बोल सुंदर बोल.. सुंदर बोल सुंदर बोल..[२]
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति....
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति..[२] स्वस्ति बोल.... शुभ बोल शुभ बोल.......[४]
शुभ बोल शुभ बोल.. शुभ बोल शुभ बोल..[२]
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति....
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति..[२] स्वस्ति बोल.... मंगल बोल मंगल बोल.......[४]
मंगल बोल मंगल बोल.. मंगल बोल मंगल बोल..[२]
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति....
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति..[२] स्वस्ति बोल.... हरि ॐ बोल हरि ॐ बोल.......[४]
हरि ॐ बोल हरि ॐ बोल.. हरि ॐ बोल हरि ॐ बोल..[२]
स्वस्ति स्वस्ति स्वति स्वस्ति....

धून्.....

जय जय स्वस्तिक गणेश हरि बोल..[११]
हरि बोल हरि बोल हरि बोल, हरि बोल हरि बोल हरि बोल [११]
जय जय स्वस्तिक गणेश हरि बोल....
स्वस्तिक बोल स्वस्तिक बोल स्वस्तिक बोल..[२].....[११]
जय जय स्वस्तिक गणेश हरि बोल....
गणेश बोल गणेश बोल गणेश बोल.....[२]....[११]
जय जय स्वस्तिक गणेश हरि बोल....

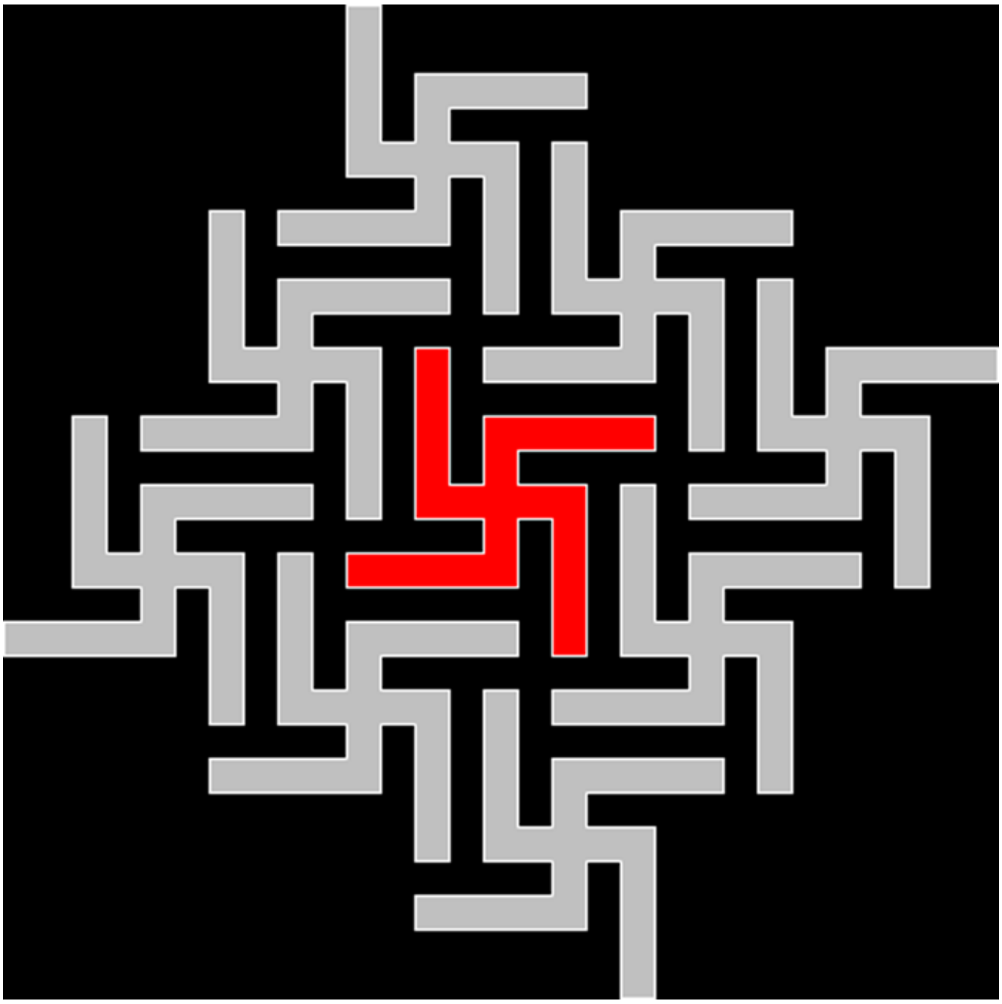
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....

प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम, प्रथम वंदनीयम स्वस्तिक चिन्हम ।
शुभम मंगलम स्वस्तिक आकारम, नमो स्तुते श्री स्वस्तिक प्रतिकम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम पूण्यम, स्वस्तितक तो हैं पावनम पवित्रम ।
स्वस्तिक तो हैं सत्यम शिवम, भजलो प्यारे स्वस्तिक शुभनामम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम आनंदम, स्वस्तितक तो हैं परम सुख ऐश्वर्यम ।
स्वस्तित तो हैं परम पूजनियम, भजलो प्यारे स्वस्तिक सहृदयम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम सौभाग्यम, स्वस्तितक तो हैं परम कल्याणम ।
स्वस्तिक तो हैं परम आशिर्वादम, भजलो प्यारे कृपालु स्वस्तिकम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम परमेश्वरम, स्वस्तितक तो हैं परम परमेश्वरीम ।
स्वस्तिक तो हैं परम महेश्वरम, भजलो प्यारे प्रभुमय श्री स्वस्तिकम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....
स्वस्तिक तो हैं परम श्रीगणेशम, स्वस्तितक तो हैं श्री सिद्धिविनायक्म ।
स्वस्तिक तो हैं परम अष्टविनायकम, भजलो प्यारे जय श्री गजाननम ।
प्रथम पूजितम स्वस्तिक प्रतिकम .....



स्वस्ति स्वति करो स्वस्तिक ॐ.....

स्वस्ति स्वति करो स्वस्तिक ॐ...
मंगल मंगल करो स्वस्तिक ॐ...[२]
हरि ॐ.. स्वस्तिक ॐ.. स्वस्तिक ॐ....[२]
स्वस्ति स्वति करो स्वस्तिक ॐ...
आनंद आनंद करो स्वस्तिक ॐ... [२]
हरि ॐ.. स्वस्तिक ॐ.. स्वस्तिक ॐ..[२]
स्वस्ति स्वति करो स्वस्तिक ॐ...
शुभ शुभ करो स्वस्तिक ॐ...[२]
हरि ॐ.. स्वस्तिक ॐ.. स्वस्तिक ॐ....[२]
स्वस्ति स्वति करो स्वस्तिक ॐ...[२]
लाभ लाभ करो स्वस्तिक ॐ...
हरि ॐ.. स्वस्तिक ॐ.. स्वस्तिक ॐ....[२]
स्वस्ति स्वति करो स्वस्तिक ॐ...
शांति शांति करो स्वस्तिक ॐ...[२]
हरि ॐ.. स्वस्तिक ॐ.. स्वस्तिक ॐ....[२]
स्वस्ति स्वति करो स्वस्तिक ॐ...



हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ.....

हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ, स्वति स्वस्तिक स्वस्तिकाय ॐ...
श्री ॐ श्री ॐ श्री ॐ, श्री श्री स्वस्तिक स्वस्तिकाय ॐ...
स्वति स्वस्तिक स्वस्तिकाय ॐ. हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ....
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ.....
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वति गणेश गणेशाय ॐ....
श्री ॐ श्री ॐ श्री ॐ, श्री श्री गणेश गणेशाय ॐ....
स्वति गणेश गणेशाय ॐ, हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ...
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ.....
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्ति विनायक विनायक ॐ....
श्री ॐ श्री ॐ श्री ॐ श्री श्री विनायक विनायक ॐ....
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ रिद्धि सिद्धि विनायक हरि ॐ....
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ.....
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्ति शिवशक्ति शिवशक्ति ॐ....
श्री ॐ श्री ॐ श्री ॐ श्री श्री शिवशक्ति शिवशक्ति ॐ....
स्वस्ति शिवशक्ति शिवशक्ति ॐ हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ...
स्वस्तिक ॐ स्वस्तिक ॐ स्वस्तिक ॐ..... हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ
गणेश ॐ गणेश ॐ गणेश ॐ..... हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ
विनायक ॐ विनायक ॐ विनायक ॐ ..... हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ
शिवशक्ति ॐ शिवशक्ति ॐ शिवशक्ति ॐ..... हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ.....



आ..आ,,आ..आ.. स्वस्तिका.....

..आ,,आ..आ.. स्वस्तिका,श्री स्वस्तिक श्री गणेशा...[८]
स्वस्तिका..आ..आ.....स्वस्तिका.....आ..आ..
स्वस्तिका स्वस्तिका श्री गणेशा...[२]
हरे गणेशा हरे गणेशा, गणेशा गणेशा हरे हरे.....
हरे स्वस्तिका हरे स्वस्तिका स्वस्तिका हरे हरे.....
गणेशा..आ..आ..आ.. गणेशा..आ..आ..आ..
स्वस्तिक स्वस्तिक श्री गणेशा...[२]
हरे गणेशा हरे गणेशा गणेशा गणेशा हरे हरे.....
हरे स्वस्तिका हरे स्वस्तिका स्वस्तिका हरे हरे.....
स्वस्तिका....आ.... आ.... स्वस्तिका... आ.... आ....
स्वस्तिक स्वस्तिक श्री गणेशे...[२]
स्वस्तिक स्वस्तिक श्री गजानना...[१२]..
स्वस्तिका..आ..आ..आ.. गजानना..आ..आ..आ..
स्वस्तिक स्वस्तिक श्री गजानना...[२]
हरे गजानना हरे गजानना, गजानना हरे हरे.....
हरे स्वस्तिका हरे स्वस्तिका, स्वस्तिका हरे हरे.....
विनायका..आ..आ..आ.. विनायका..आ..आ..आ..
स्वस्तिक स्वस्तिक श्री विनायका...[२]
हरे विनायका हरे विनायका, विनायका हरे हरे.....
हरे स्वस्तिका हरे स्वस्तिका. स्वस्तिका हरे हरे.....
आ..आ,,आ..आ.. स्वस्तिका.....



पुरे विश्वमें हैं सर्वोत्तम.....

पुरे विश्वमें हैं सर्वोत्तम, स्वस्तिक प्रतिक हमारां ।

हमतो हैं साधक उनके, वो आराध्य हैं हमारां । ....पुरे विश्वमें

हर प्रतिकोंमें हैं सबसे उंचा, वो प्रथम चिन्ह हैं हमारां,

सारे विश्वमें हैं सदा वो छायां, विश्वजनोंको वो हैं प्यारां ! ....पुरे विश्वमें

सुंदर, सुमनोहर, नयनरम्य, शुभ चिन्ह हैं स्वस्तिकका ।

अदभूत, अद्‌वितीय, अलौकिक, लाभ आकार हैं हमारां । ....पुरे विश्वमें

आर्यधर्म संस्कार संस्कृतिका, स्वस्तिक तो हैं रखवालां ।

आर्य मुल्यों और परंपराका, स्वस्तिक तो हैं प्राणदाता । ....पुरे विश्वमें

युग युगसे अविचल खडां वो, गीरीराज हिमालय सा वो ।

आर्योंके रुधीरमें सदा वो बहतां, जैसे सप्तसिंधुओंकी धारा । ....पुरे विश्वमें

परम पावन पवित्र हैं वो, शुभ लाभ मंगल प्रतिक हैं वो ।

शुभकामना और शुभाषिशका, प्राचीन प्रतिक हमारां । ....पुरे विश्वमें

वेद-शास्त्रोमें हैं वो गुंजता, स्वस्ति मंत्रका ये शुभ नारां ।

प्राणोंसे भी आर्योंको प्यारां, स्वस्तिक प्रतिक हैं न्यारां । ....पुरे विश्वमें

आर्य गौरव स्वाभिमानका, सदा झगमगता है वो तारा ।

आर्य भक्ति और अस्मिताका, धर्मध्वज सा प्रतिक हमारां । ....पुरे विश्वमें

देवालयोमें और उपाश्रयोमें, गुरुद्‌वारोंमें और बौध स्तुपोमें ।

हर घर गुफा और स्थलमें, हर मंदिरमें हैं स्थान तुम्हारां ।...........पुरे विश्वमें

सुख शांति समृद्‌धि प्रगतिका, विश्व राजदूत है वो हमारां ।

कृपा, दया करुणा अनुकम्पाका, वो प्रेरणा सुत्र है हमारां ।............पुरे विश्वमें

आर्य योग, यंत्र, तंत्र और मंत्रका, चमत्कारीक रुप हैं न्यारां ।

शक्ति, मुक्ति और भक्ति भावनांका, पुर्वाचीन प्रतिक हमारां ।...........पुरे विश्वमें

सर्वाकार हैं सभी आर्यदेवोंका, सर्वशक्ति रूप है श्रीदेवीओंका ।

हमतो पूजक हैं सवस्तिकके, वो परम पूज्य देवता हमारां । ....पुरे विश्वमें

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक.....

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक, नमो नमो नमो हरी ॐ स्वस्तिक ।

स्वस्तिक स्वस्तिक श्री ॐ स्वस्तिक, नमो नमो नमो श्री ॐ स्वस्तिक ।

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक.....

शुभ लाभ कर्ता हैं स्वस्तिक, आनंद सुमंगल करता हैं स्वस्तिक ।

मनोरथ पूर्ण करता हैं स्वस्तिक, मनोकामना पूर्ण करता हैं स्वस्तिक ।

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक.....

सुख शांति देता हैं स्वस्तिक, धन धान्य देता हैं स्वस्तिक ।

वैभव विकाश देता हैं स्वस्तिक, रिद्धि सिद्धि देता हैं स्वस्तिक ।

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक.....

सौभाग्य सुस्वास्थ्य देता हैं स्वस्तिक, शक्ति सामर्थ्य देता हैं स्वस्तिक ।

वृद्धि समृद्धि देता हैं स्वस्तिक, बल बुद्धि देता हैं स्वस्तिक ।

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक.....

सौभाग्य सुस्वास्थ्य देता हैं स्वस्तिक, शक्ति सामर्थ्य देता हैं स्वस्तिक ।

वृद्धि समृद्धि देता हैं स्वस्तिक, बल बुद्धि देता हैं स्वस्तिक ।

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक.....

दुख दमन हर्ता हैं स्वस्तिक, तुष्टि पुष्टि कर्ता हैं स्वस्तिक ।

दरिद्र कष्ट मिटाता हैं स्वस्तिक, आधि व्याधि मिटाता हैं स्वस्तिक ।

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक.....

शुभ आशिष देता हैं स्वस्तिक, शुभ वरदान देता हैं स्वस्तिक ।

शुभ कामना कर्ता हैं स्वस्तिक, सर्व सदा मंगल कर्ता हैं स्वस्तिक ।

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक

जय स्वस्तिक नाम....

ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः

ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः

जय स्वस्तिक नाम, जय जय स्वस्तिक नाम..[२] ..[२]

जय स्वस्तिक नाम, जय जय स्वस्तिक नाम..[२] ..[२]

जय स्वस्तिक नाम, जय जय श्रीगणेश नाम..[२]...[२]

विघ्नविनाशी मंगळ नाम, जय जय स्वस्तिक नाम..[२] ..[२]

जय स्वस्तिक नाम....

भजले भक्त तुं गणपति नाम, जय श्री गणेश जय लंबोदर नाम..[२] ..[२]

जय श्रीगणेश जपो, जय श्री गणेश..[२]...[२]

जय स्वस्तिक जय श्री गणेश नाम..[२]..[२]

स्वस्ति गणेश भजो स्वस्ति गणेश..[२]..[२]

जय स्वस्तिक नाम....

रिद्धि सिद्धिके दाता भगवान, जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम..[२]..[२]

जय स्वस्तिक नाम, जय जय स्वस्तिक नाम..[२] ..[२]

स्वस्तिक मंत्र जपो दिन रात, जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक नाम..[२] ..[२]

जय स्वस्तिक नाम....

शुभ लाभकारी हैं तेरो नाम, जय स्वस्तिक जय जय स्वस्तिक नाम..[२] ..[२]

जय श्रीगणेश नाम, जय जय विनायक नाम...[२]..[२]

सुख वैभवके तुम हो भगवान, जय श्री गणेश जय गजानन नाम..[२] ..[२]

जय स्वस्तिक नाम....

दिव्य प्रतिक श्रीगणेश समान, भजलो प्यारे सदा स्वस्तिक नाम ..[२] ..[२]






श्री स्वतिका श्री स्वस्तिका....

श्री स्वतिका श्री स्वस्तिका..[२] श्री गणेशा श्री गणेशा..[२]

श्री स्वस्तिका..तुम देवा गणेशा... तुम शुभ मंगलकारीणी..

आ..आ..आ..आ... श्री स्वस्तिका..तुम देवा गणेशा...

प्रथम पूजीत तुम प्रतिक प्रभुका..

श्री स्वस्तिका..तुम देवा गणेशा...

तुम हो एकदंत तुम हो विनायक..[२] तुम गजाजन गणपति

श्री स्वस्तिका..तुम देवा गणेशा...

तुम हो रिद्धी तुम हो सिद्धि..[२] तुम वैभव हो तुम व्रुद्धि..

श्री स्वस्तिका. तुम देवा गणेशा...

तुम सुंदर हो तुम शुशोभिता.. तुम मन मोहित प्रतिका..

श्री स्वस्तिका..तुम देवा गणेशा...

तुम हो माता तुमहो पिता..[२] तुम पालन पोषणकर्ता..

श्री स्वस्तिका..तुम देवा गणेशा...

तुम सुखकर्ता तुम दुखहर्ता..[२], कष्टहर्ता तुम विघ्नविनाशी

श्री स्वस्तिका..तुम देवा गणेशा...

तुम शुभकर्ता तुम लाभकर्ता..[२] भाग्यविधाता तुम वरदायी..

श्री स्वस्तिका..तुम देवा गणेशा...



जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान .....

जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान, पतित पावन श्रीगणेश नाम । ..[३]
स्वस्तिक नाम स्वतिक नाम, भज प्यारे तुं स्वस्तिक नाम । ..[२]
जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान .....
ब्रह्मा विष्णु शीव तेरोनाम,विश्वके प्रथम हैं वोभगवान ।
महाशक्ति हैं तेरो नाम, सबकोसदबुद्धि दे हे भगवान।
जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान .....
इश्वर अरिहंत तेरो नाम, देदे सबको अहिंसाका ज्ञान।
तेरी अनुकम्पा हैं अपार, भज प्यारे तुं महावीर नाम ।
जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान .....
इश्वर बुद्ध हैं तेरोनाम,फैला दे जगमें शांतिपैगाम ।
दया करुणा है तेरी अपार, भज प्यारे तुं बुद्धका नाम ।
जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान .....
इश्वर वाहेगुरु तेरोनाम,दे दे धर्म संरक्षणकाज्ञान ।
तेरी शक्ति हई सर्वमहान, भज प्यारे तुं वाहेगुरुजी नाम ।
जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान .....
इश्वर अषो हैं तेरोनाम,दे दे जन सेवाकावरदान ।
माया ममता स्नेह अपार, भज प्यारे तुं अषॉका नाम ।
जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान .....
वेदीकधर्मके तुम हो सबनाथ,विश्वविजयका उठाओ नाद ।
आर्यधर्मका करो तुम उद्धार, करओ विश्वका तुम कल्याण ।
जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान .....
गाओ सौ स्वस्तिकके गान, फैलादोआर्यधर्मकी शान ।
जपलो रटलो स्वस्तिक नाम, करे आत्मशुद्धिका काम ।
जगपति स्वस्तिक प्रतिक महान .....

शत शत तुमको प्रणाम .....

शत शत तुमको प्रणाम, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम ।
शत शत तुमको नमन, हे स्वस्तिक तुमको हमारांनमन ।
शत शत तुमको प्रणाम .....
हम आये तेरे चरणकमलमें, साधना जागृत करो तुम हमारी ।
हे मंगल मुर्ति श्री गणेशा, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[२]
शत शत तुमको प्रणाम ..... स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[२]
भक्ति ज्ञानकी ज्योत जलादो..[२] मनमे श्रद्धा भाव बहादो...[२]
तब होगा हमारां कल्याण, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..
शत शत तुमको प्रणाम ..... स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[
शुभ लाभ मंगल करदो हमारां, दुख कष्ट विघ्न हरो सब हमारां ।
जपते ही तेरो शुभ नाम, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[२]
शत शत तुमको प्रणाम ..... स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम..[
शुभ आशिष हमें शुभ वर दो...[२] हमरे जिवनका उद्धार करदो ।
द्यो सुख शांतिके आशिर्वाद...,, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम.
शत शत तुमको प्रणाम ..... हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम.
मोह मायाके बंधन मिटादो, निर्मल नीरकी सरीता बहादो..[२]
करदो कृण्वन्तो आर्यम विश्वम, हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम...[२].
शत शत तुमको प्रणाम ..... हे स्वस्तिक तुमको हमारां प्रणाम.



जब जब स्वस्तिकका.....

स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. स्वस्तिक नाम.. [४]
स्वस्तिक नाम.. नाम.. नाम.. बोलो जय जय श्री स्वतिक नाम ...

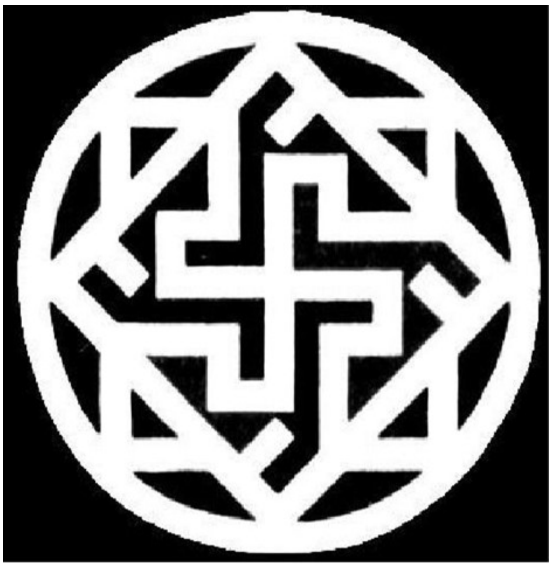
जब जब स्वस्तिकका नाम लिया [२] हर विघ्नोंको मैंने पार किया ।
जब जब स्वस्तिकका नाम लिया [२] हर संकट भयका नाश हुआ ।
जब जब स्वस्तिकका.....
जीवनके हर मोडपे जब मैंने, स्वस्तिकके चरनमें शरण लिया।
जीवनके हर कोई संघर्षोमें, स्वस्तिकने हमें सदा ही साथ दिया ।
जब जब स्वस्तिकका.....
स्वस्तिक नामका ध्यान किया, पिडा व्याधि सब मिट गया ।
स्वस्तिक नामका मंत्र जपा, हर भिती डर सब भाग गया ।
जब जब स्वस्तिकका.....
स्वस्तिक मंगलका नाम लिया, हर दुःख दरिद्र दूर हुआ ।
मेरे जीवनके भवसागरको, स्वस्तिक नामने ही तार दिया ।
जब जब स्वस्तिकका.....
स्वस्तिक कृपासे सबकुछ पाया, हमें नवजीवन आधार मिला ।
सच कहता हुं श्रीगणेश तुमको, तुमने नवजीवन दान दिया ।
जब जब स्वस्तिकका.....
स्वस्तिक नाम..........



सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....

ॐ नमो श्री स्वस्तिकम, ॐ नमो श्री गजाननम ।
ॐ नमो श्री विनायकम, ॐ नमो श्री गं गणेशम ।

सर्व प्रथम वंदन करते हैं, हे स्वस्तिक प्रतिक हम आपको ।
सर्व प्रथम पूजन करते हैं, हे श्री गणेश स्वरुप हम आपको ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
तेरो नाम अलौकिक अदभूत हैं, स्वस्तिक मंत्र हैं महा चमत्कार ।
अपरंपार तेरी महिमां हम गाते हैं, तेरो शुभ नाम हैं सर्व महान ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
तुम हो दयामय तुम हो करुणामय, तुम तो हो दीनबंधु हो नाथ ।
श्री गणेशजीके आराध्य स्वरुप हो, सर्व शुभ मंगल कर्ता हो नाथ ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
भक्ति साधना हर सिद्धि देता, रिद्धि-सिद्धि देता धन वैभवके साथ ।
सुख समृद्धि और शांति देता, स्वस्तिक देता महा फलदायी ज्ञान ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
श्रवण रटण स्वस्तिक बीजमंत्रका, करता हैं आत्म शुद्धि तत्काल ।
स्वस्तिकके महाबीज मंत्र जपनेसे, होता हैं सभीका जिवन उद्धार ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
जपलो रटलो भजलो हे साधो, स्वस्तिक मंत्र तुम हर दिन हर रात ।
पाओ गे तुम महामुक्ति मौक्षको, पाओ गे अवश्यही तुम स्वर्गमें वास ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....
तुम हो स्वामि प्रभु अंतरयामि, पावन पूण्य प्रतिक हे स्वस्तिक देवा ।
दो शुभाशिष हमें हे भाग्यविधाता, करदो स्वस्तिक तुम कल्याण हमारां ।
सर्व प्रथम वंदन करते हैं.....



ॐ नमो पावन प्रतिकम.....

स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक ।
हरि ॐ स्वस्तिक, हरि ॐ स्वस्तिक ।
श्री ॐ स्वस्तिक, श्री ॐ स्वस्तिक ।
स्वं ॐ स्वस्तिक, ॐ स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक......

ॐ नमो पावन प्रतिकम, ॐ नमो पवित्र प्रतिकम ।
ॐ नमो शुभलाभ प्रतिकम, ॐ नमो मंगल प्रतिकम ।
आर्यजनोंका हैं स्वस्तिकम, हिंदुजनोंका हैं स्वस्तिकम ।
देवालयोंमें हैं स्वस्तिकम, तीर्थस्थानोंमें हैं स्वस्तिकम ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
ॐ नमो श्री गणेशायम । ॐ नमो श्री सिद्धिविनायकम ।
ॐ नमो श्री गजाननम । ॐ नमो स्वस्तिकायम ।
स्वस्तिक धर्मम गच्छामि। आर्यम धर्मम गच्छामि। [३]
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
जैनजनोंका हैं स्वस्तिकम, जीनालयोंमें हैं स्वस्तिकम ।
अष्टमंगल हैं स्वस्तिकम, श्रीसुपार्श्व स्वरुप हैं स्वस्तिकम ।
ॐ नमो अरिहंताणम, शुभम लाभम स्वस्तिक ।
ॐ नमो अरिहंताणम, ॐ नमो सिद्धाणं ।
ॐ नमो आयरियाणं ॐ नमो उवज्झाणं ।
ॐ नमो लोए सव्वसाहुणं ॐ नमो श्री स्वस्तिकम
स्वस्तिक धर्मम गच्छामि।आर्यम धर्मम गच्छामि। [३]
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
बौधजनोंका हैं स्वस्तिक, बौधस्तुपोमें हैं स्वस्तिक ।
बुद्ध वक्षपर हैं स्वस्तिक, बौधगुफामें हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
बुद्धम शरणम गच्छामि, ब्रहमम शरणम गच्छामि
संघम शरणम गच्छामि, संघम शरणम गच्छामि।
स्वस्तिक धर्मम गच्छामि।आर्यम धर्मम गच्छामि। [३]
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
ज्ञानम स्वस्तिक, ध्यानम स्वस्तिक...... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
योगम स्वस्तिक, भक्तिंम स्वस्तिक... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
रिद्धिम स्वस्तिक सिद्धिम स्वस्तिक.... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
[अगले पृष्ठ पर्.....]

[क्रमशः .....]

भोगम स्वस्तिक, त्यागम स्वस्तिक... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
सुखम स्वस्तिक, शांतिम स्वस्तिक... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
सुहागम स्वस्तिक, सौभाग्यम स्वस्तिक... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
आनंदम स्वस्तिक, ऐश्वर्यम स्वस्तिक.... स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक.....
हरि ॐ हरि ॐ हरि ॐ स्वस्तिक.....[३]
स्वस्तिक स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक..... [३]

****

स्वस्तिक महामंत्र.....

हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ हरि ॐ हरि हरि |
हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक हरि हरि |
हरि हरि स्वस्तिक हरि हरि स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक हरि हरि |
श्री ॐ स्वस्तिक श्री ॐ स्वस्तिक, श्री ॐ श्री ॐ हरि हरि |
श्री ॐ स्वस्तिक श्री ॐ स्वस्तिक श्री ॐ स्वस्तिक हरि हरि |
श्री श्री स्वस्तिक श्री श्री स्वस्तिक श्री ॐ स्वस्तिक हरि हरि |
जय ॐ स्वस्तिक जय ॐ स्वस्तिक, जय ॐ जय ॐ हरि हरि |
जय ॐ स्वस्तिक जय ॐ स्वस्तिक जय ॐ स्वस्तिक हरि हरि |
जय जय स्वस्तिक जय जय स्वस्तिक, हरि ॐ स्वस्तिक हरि हरि |

स्वस्तिक वंदना.....

प्रथम स्मरन श्री स्वस्तिक.....[४] , प्रतिक..रुप सोहे गणेश ।..[२]....[१]
चतुर्भूज चक्रधार...[२] सुंदर शोभे मंगल आकार..[२]...[१]
शोभे हर मंदिर द्वार..[२]
प्रथम स्मरन श्री स्वस्तिक.....[४]
भव्य दिव्य शुभ प्रतिक..[२] मंगल मूर्ती श्री गणेश..[२]...[१]
शोभे हर घरके द्वार ...[२]
प्रथम स्मरन श्री स्वस्तिक.....[४]
प्रथम पूजीत श्री गणेश...[४] ॠषि मुनि धरत हैं ध्यान.. [२]...[१]
स्वस्तिकानंद करे प्रणाम.. हरविघ्न हरो स्वस्तिक देव... [२]...[१]
प्रथम स्मरन श्री स्वस्तिक.....[४]

ॐ जय स्वस्तिक हरे......

नमो देवो महा देवो । स्वस्तिक प्रतिकाय नमो नमः ।
नमः श्री गणेश रुपाय, प्रथमो प्रतिकाय नमो नमः ।
[शंखनाद.....घंट्नाद.. संगीत]
ॐ जय स्वस्तिक हरे......स्वामि जय स्वस्तिक हरे....
भकत जनोंके संकट... आर्य जनोंके संकट.. तत क्षण दूर करे ।
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
मन वांछीत फल पावे..., कष्ट मिटे तनका....स्वामि...,,,,[२]
सुख वौभव घर आवे..... शांति मिले मनकी......
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
मातृ पितृ तुम मेरे..., शरण जाऊं मैं किसकी....स्वामि...[२]
तुम बीन नहि कोई मेरा... अपेक्षा करुं मैं किसकी ?...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
तुम परम परमेश्वर.... तुम हो सर्वव्यापी...स्वामि........[२]
ब्रह्मा विष्णु महेश्वर... तुम सबके स्वामि....
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
तुम दयाके महासागर....तुम हो कृपालु प्रभु...स्वामि..[२]
तुम वरके हो दाता.....तुम हो श्रीगणेश देवा...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
तुम हो शुभलाभ प्रतिक..तुम सबके शुभकारी..स्वामि.[२]
तुम मंगलमय दयामय,.. तुम हो शुभ कल्याणी...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
मैं अबुध अज्ञानि... मैं क्रोधी कपटी कामी.....स्वामि....[२]
कृपा करो तुम हम पर... हे विश्वके महा आधिपति...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
दुःख हर्ता सुख कर्ता... विश्वेश्वर तुम मेरे.....स्वामि....[२]
वरद हस्त उठाओ... शुभ आशिष हमें देनें.....
ॐ जय स्वस्तिक हरे......
विचार आचार सुधारो.. पाप हरो देवा.....स्वामि...[२]
श्रद्धा भक्ति बढाओ..आस्था शक्ति बढाओ..हे स्वस्तिक प्राणपति...
ॐ जय स्वस्तिक हरे......

स्वस्तिक मंत्र.....

नमो देवो महा देवो, स्वस्तिक प्रतिकाय नमो नमः ।
नमः श्रीगणेश रुपाय, शुभ मंगल प्रतिकाय नमो नमः ।
…….
ॐ स्वस्तिकम यजा महे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम ।
उर्वारूक्मिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीयमामृतात ।
………
शुभम करोति कल्याणंम, आरोग्यम धनसंपदा ।
शत्रुबुद्धि विनाशाय स्वस्तिक प्रतिकम नमोस्तुते ।
……..
स्वस्तिक ब्रह्मा स्वस्तिक विष्णु, स्वस्तिक देवो महेश्वरा ।
स्वस्तिक साक्षात पर ब्रह्म, तस्मै श्री स्वस्तिके नमः ।
………
ॐ गं गणपतये नमो नमः, ॐ स्वं स्वस्तिके नमोनमः ।
ॐ श्री गणेशाय नमो नमः, ॐ श्री विनायक नमोनमः ।
ॐ सिद्धिविनायक नमो नमः, ॐ अष्ठविनायक नमोनमः ।
ॐ गजाननाय नमो नमः, ॐ गणपति बापा मोरिया ।
…….
मंगलम प्रतिक स्वस्तिक, मंगलम प्रतिकध्वज ।
मंगलम चतुष्कोण रुपाय, मंगलाय रक्तवर्णो हरी ।
सर्व मांगल मांगल्ये, स्वस्ति सर्वार्थ साधिके ।
शरण्ये गणेशे रिद्धि-सिद्धि, शक्तिदेवी नमोस्तुते ।
…….
ॐ स्वं स्वस्तिकये नमो नमः श्रीगणेश रुपाय नमो नमः ।
स्वस्ति विनायक नमो नमः मंगल मूर्ति मोरिया ।
…..
स्वस्तिक ब्रह्मा, स्वस्तिक विष्णु स्वस्तिक देवो महेश्वर ।
स्वस्तिक साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री स्वस्तिके नमः ।
…..
स्वस्तिक करोति कल्याणम, शुभम लाभम च मंगलम ।
आरोग्यम, अर्थम च ऐश्वर्यम, स्वस्तिक प्रतिक परमेश्वरम ।
…..
स्वस्तिक नाम सर्वदेवानाम स्वस्तिक नाम शुभ मंगलम ।
सर्वदा स्वस्ति करो देव, स्विकृत करोस्मि मम वंदनम ॥